लाखों पाठको की पसंद

दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हिमाचल में प्रसारित

मूल्य : 20/- रूपए

निर्भिक व जुझारू पत्रकारिता का प्रतीक

संपादक-प्रदीप महाजन

INS
इंडियन न्यूज़लाईन सर्विसेस

INDIAN NEWSLINE SERVICES INS

वर्ष : 3 अंक : 11

दिसम्बर 2010

RNI NO. DELHIN/2008/23334

लाखों पाठकों की पसंद

दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हिमाचल में प्रसारित

मूल्य : 20/- रूपए

निर्भिक व जुझारू पत्रकारिता का प्रतीक

संपादक-प्रदीप महाजन

INS

INDIAN NEWSLINE SERVICES

इंडियन न्यूज़लाईन सर्विसेस

वर्ष : 3 अंक : 11

दिसम्बर 2010

RNI NO. DELHIN/2008/23334

INDIAN NEWSLINE SERVICES

bafM;u U;wt ykbZu lfoZl

vuØe

दिसम्बर, 2010 मासिक

lj{kd

J.B.B.K.

संपादक : प्रदीप महाजन
ब्यूरो चीफ (दिल्ली): सैय्यद वाज़िद अली,
विशेष संवाददाता : मोहित बक्शी
उत्तरांचल : राज नौटियाल
उत्तर प्रदेश : शकील अहमद, धर्मेन्द्र भदोरिया
मथुरा : महेश मिश्रा / शिवा तौमर
आगरा : परविन्दर राजपूत
गुजरात / महाराष्ट्र : मनोज शर्मा
मध्य प्रदेश : प्रदीप खरे
पंजाब : सविन्द्र सिंह
केरल : राजीव थम्पी
छायाकार : संजीव,चीनू, आदिल, वाज़िद
ग्राफिक्स आर्टिस्ट : अनिल भारद्वाज
कार्यालय सहयोगी : गोपाल
तकनीकी सहयोग : AXX, Universal
वित्तीय सलाहकार : श्याम अग्रवाल (C.A)
विज्ञापन प्रतिनिधि : नरेश मदान, पंकज पाण्डेय
311 / 27, अग्रवाल चैम्बर–4, वीर सावरकर ब्लॉक, शकरपुर, विकास मार्ग, दिल्ली–110092,
टेलीफैक्स : 011–22013180, 9810310927

IM Print Line

DCP (L)NO.F.2(1-38) Press 2007

इंडियन न्यूज़लाईन सर्विसेस मासिक के स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक प्रदीप महाजन द्वारा प्रकाशित, 311 / 27, वीर सावरकर ब्लॉक, अग्रवाल IV, विकासमार्ग शकरपुर दिल्ली–92 से प्रकाशित व मयंक ऑफसेट प्रोसेस 794 / 795, गुरू रामदास नगर एक्स. लक्ष्मी नगर दिल्ली–92 द्वारा मुद्रित।

lEikndµinhi egktu

^bafM;u U;wt ykbZu lfoZl* dh fdlh Hkh jpuk dk iquZ'ku dsoy lEiknd dh vuqefr vfuok;Z gSA leLr fookn dk U;k; {ks= fnYyh gksxkA

1. सम्पादकीय 4
2. दिल्ली बनी क्राइम कैपिटल 5
3. मासूम की निर्मम हत्या 9
4. मथुरा बनी बदमाशों की नगरी 10
5. साभर लेक त्रासदी की ओर 11
6. दरगाह पर जगी आस्था 12
7. लालू का जूता 14
8. दमन–दीव बनाम लालू भाई पटेल 15
9. किसान का दुःख 17
10. वाराणसी में विस्फोट 18
11. भ्रष्टाचार का आइना 19
12. संसद में राजनीति 20
13. गोवा का सैर–सपाटा 22
14. सेक्स और उम्र 25
15. मुमताज को दो बार दफनाया 26
16. स्वस्थ तन–स्वस्थ मन 28
17. स्कूल प्रबंधक सबका बॉस 29
18. महिला जगत 30
19. खबर पर बेअसर 31
20. खेल समाचार 32
21. फिल्मी मसाला 33

¼ikBdksa ds fy, fo'ks"k½

gekjh if=dk ds fy, tks Hkh ikBd ,d vPNh LVksjh ¼jktuhfrd] vijk/k] lkekftd vkfn½ ij fy[kxk mls gekjh if=dk esa LFkku fn;k tk;sxk vkSj mlds ,ot esa mls migkj fn;k tk,xkA

संपादकीय

भ्रष्टाचार का बोलबाला, तेरा-मेरा सबका है मुंह काला

पहले अंग्रेजों के राज में एक शब्द "फटीक" आया था जिसमें अपने जूनियर से छोटा-मोटा काम 'फटीक' के रूप में प्रशासन के लोग करा लेते थे फिर शब्द आया 'चाय-पानी' जिसमें रिश्वत के तौर पर सरकारी लोग जो पुलिस, टेलिफोन राशन या अन्य प्रशासन के होते थे वो अपने तौर पर 'चाय-पानी' का इंतजाम के रूप में रिश्वत लेते थे फिर आया तीनों तरह की पार्टी लेने की रिश्वत का दौर जिसमें सरकारी आदमी 'शराब शबाब व कबाब' का सहारा लेने लगा और अब चल रहा है 100 प्रतिशत घोटालों का दौर जिसमें कागजों में दिखाकर पूरी की पूरी रोड़ बना दी जाती है और आपस में पैसा बंट जाता है। अब लगता है कि भ्रष्टाचार का नाम लेते लोग इतने भड़कते नही हैं क्योंकि ये रोग लोगों की नसों में दौड़ रहा है लेने वाला और देने वाला दोनों ही इससे खुश है कईयों की राय है कि इस भ्रष्टाचार, दलाली, रिश्वत, नजराना, फटीक, चाय-पानी को संसद में प्रस्ताव लाकर इसे विधेयक के रूप में लेकर पास कर देना चाहिए क्योंकि हमाम में सभी नंगे है सीबीआई ने 2जी स्पेक्ट्रम घोटाले की जांच के लिए जो छापे कारपोरेट लाबिस्ट नीरा राडिया, द्रमुक सांसद कनीमोझी ट्राइ के पूर्व अध्यक्ष प्रदीप बैजल सहित अन्य लोगों पर डाले है वह सिर्फ एक दिखावे के रूप में डाले है क्या इन बड़ी ब्लैक शीप जैसी मछलियाँ भोली है जो इतने बड़े घोटाले करने के बाद उन घोटालों से सम्बंधित कागज अपने घरों व कार्यालयों में रखेंगे ये तो जनता को दिखाने के लिए छापे हैं क्योंकि सबको पता है जनता भांडू है।

बोफोर्स, टेलीकॉम, चारा, फेरा या हो 2जी स्पेक्टम का घोटाला।
भ्रष्टाचारियों, दलालों का है बोलबाला तेरा-मेरा सबका है मुंह काला।।

राजधानी में सुरक्षित नही है महिलाएं यहां सरे राह युवती को अगवा करके उसके साथ गैंगरेप जैसी घटनाएँ आए दिन रोज हो रही है इन वारदातों से पुलिस की पेट्रोलिग और कार्यप्रणाली पर प्रश्न चिन्ह लग गया है गौरतलब है कि राजधानी में कहीं महिलाओं पर दिन-दहाड़े ब्लैड मारे जा रहे है तो कहीं कार में अगवा करके उनके साथ बलात्कार किया जा रहा है हालांकि धौलाकुआं रेप में दिल्ली पुलिस ने हिम्मत दिखाई और पड़ोसी राज्य से आरोपियों को पकड़ ले आई परंतु वारदात से पहले की पुलिस की चौकसी में अभी कमी है दिल्ली पुलिस के नये मुखिया को इस बारे में थोड़ी सख्ती करनी चाहिए कि बाजारों, घरों, कार्यालयों में महिलायें सुरक्षित रहें नहीं तो वह दिन दूर नही जब महिलाएं डर के मारे घर से बाहर ही नहीं निकलेंगी।

बिगड़ा हुआ माहौल है उसे सुधारो।
दहशत में है इंसान उसे पुकारो।।

रही दूसरी ओर केन्द्रीय गृह मंत्री पी. चिदम्बरम ने अपने ब्यान में कहा कि दिल्ली में बढ़ते हुए अपराधों की वजह दिल्ली में आने वाले प्रवासी है जो अनाधिकृत कालोनियों में रहते है उनका ब्यान से जाहिर होता है कि दिल्ली में जो जो अपराध हो रहे है वह खासतौर से बिहार-उत्तर प्रदेश के लोगों के द्वारा हों रहे है देश के गृह मंत्री के इस बयान से दिल्ली में विरोध स्वरूप प्रतिक्रियाऐं हुई है और गृहमंत्री ने अपने बयान भी वापिस ले लिया। परंतु जनता का कहना है कि...

रात और दिन रोज ही मुझको न सताए रखें।
मेरे भी गम का वो एहसास जरा करके देखें।।

-प्रदीप महाजन
Email: insmedia@ymail.com

सी. पी. ब्रजेश गुप्ता की

राजधानी दिल्ली बनी क्राइम कैपिटल

प्रदीप महाजन

देश की राजधानी दिल्ली में अपराधियों के हौसले बुलंद है उन्हें किसी भी कानून से डर नहीं लगता है अपराधी आते है दिन दहाड़े युवती को अगवा करके ले जाते है, खबर मिलती है कि उस युवती के साथ गैंग रेप हो गया है दूसरी घटना में बदमाश आते है सरे-राह गोली चलाकर आराम से वारदात करके निकल जाते हैं, तीसरी घटना में डकैत घर में घुसते है परिवार को मारते पिटते व बधंक बनाते है और पुलिस को चकम देकर निकल जाते हैं, चौथी घटना में मोटर साईकिल पर सवार हाकेकर बाइकर गैंग के लोग आते हैं ओर महिलाओं पर ब्लैड मारकर आराम से निकल जाते हैं ये है दिल्ली का हाल, ये है दिल्ली क्राइम कैपिटल।

परंतु पुलिस बेरिकेट लगाकर चैकिंग के नाम पर अवैध उगाही में मस्त रहती है वारदात मंगोलपुरी की होती है बेरिकेट पर चैंकिंग के नाम पर उगाही मधुबन थाने पर हो रही होती है। दस नवम्बर को जब दिल्ली पुलिस के मुखिया ब्रजेश कुमार गुप्ता ने पद संभाला था तो उन्होंने अपराधियों को चेतावनी दी थी कि दिल्ली में अपराधी न रहें परंतु हो ठीक इसके विपरीत रहा है। आखिर इस राजधानी में जंगलराज क्यों हो रहा है क्या अपराधी बैखोफ होक घूम रहे है और पुलिस अपनी-2 फटीक को देख रही है। पुलिस आयुक्त ने खुद कहा था कि रात में पेट्रोलिग को बढ़ाया जाएगा लेकिन वही ढाक के तीन पात अपराधी वारदात करके भाग जाता है और पुलिस आम जनता को चैकिंग के नाम पर तंग कर रही होती है।

ये दिल्ली पुलिस का खौफ होना चाहिए कि राजधानी में महिलाएं रात में भी सड़कों पर सुरक्षित रहें परंतु इस दिल्ली पुलिस का क्या करे कि रात में गश्त के दौरान सड़कों पर नदारद होती है या थानों में खुद ही शराब पीकर बेसुध पड़ी होती है पुलिस मुखिया रात में अगर थानों का औचक निरीक्षण करेंगे तो क्या सिपाही, क्या हवलदार क्या थानेदार सभी पीकर मस्त पड़े होंगे।

गौरतलब है कि दिल्ली पुलिस में लाव लश्कर की कमी नही है अभी पिछले दिनों ही कई नये थाने बनाये गये है वहीं 630 पीसीआर की गाड़िया और उन में तैनात 5000 पुलिसकर्मी पेट्रोलिंग के लिए है परंतु फिर भी अपराधी जिन्न की तरह आते हैं और हवा की माफिक गायब हो जाते हैं। सूत्रों की मने तो पुलिस अफसर लॉबी अपने ट्रांसफर को रोकने के लिए या प्राइम जिला पाने के लिए परेशान हो रही होती है वह बेचारी जनता का दर्द क्या जाने अभी पिछले दिनों कई पुलिस अधिकारियों के ट्रांसफर हुये हैं और अभी कईयों के होने है अधिकारी तो बस इसे रोकने ओर पाने के लिए जी तोड़ कोशिश कर रहे हैं उन्हें जनता के पीड़ित होने का अहसास नहीं है वारदात होने पर अगर गाज गिरती है तो बीट के सिपाही या कभी-2 थानाध्यक्ष पर आलाधिकारी साफ बच जाते हैं।

> “ कई नये थाने बनाये गये है वहीं 630 पीसीआर की गाड़िया और उन में तैनात 5000 पुलिसकर्मी पेट्रोलिंग के लिए है परंतु फिर भी अपराधी जिन्न की तरह आते हैं और हवा की माफिक गायब हो जाते हैं। ”

राजधानी दिल्ली बनी क्राइम कैपिटल

लोन एजेंट की दिन दहाड़े हत्या

विशेष संवाददाता सय्यैद वाजिद अली

दिल्ली, । बाहरी रिंग रोड पर दिन दहाड़े एक कार सवार हेमंत गुप्ता (32) को बदमाशों ने चाकू से गोद कर मार दिया प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बदमाशो ने कार को ओवरटेक किया और उसमें सवार युवक की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। हेमंत गुप्ता बैंक के लोन एजेंट के रूप में काम करता था। फिलहाल पुलिस हत्या का मामला दर्जकर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है। इस दौरान शर्मनाक यह रहा कि घटना से कुछ दूरी पर खड़ी पीसीआर को जब इस घटना की सूचना दी गई तो उन्होंने अपनी ड्यूटी खत्म होने की बात कही और वहां से निकल गए।

हेमंत गुप्ता (32) विकासपुरी में अपने माता–पिता के साथ रह रहा था। पड़ोसियों के मुताबिक हेमंत ने एक निजी बैंक की (लोन दिलाने की) एजेंसी ली हुई थी। उसका द्वारका सेक्टर–12 के पंकज प्लाजा में आफिस था। पड़ोसियों के मुताबिक पूर्वान्ह करीब 11.15 बजे हेमंत अपनी होंडा सिटी कार से दफ्तर के लिए निकला। एक प्रत्यक्षदर्शी व पड़ोसी सुरजीत सिंह ने बताया कि बाहरी रिंग रोड़ पर केशोपुर डिपो के सामने सफेद रंग की सेंट्रो कार में सवार चार युवकों ने हेमंत की गाड़ी को ओवर टेक किया। गाड़ी रूकते ही सेंट्रो सवार चार युवक निकले और उन्होंने हेमंत को गाड़ी से बाहर खींच लिया। इसके बाद उस पर चाकू से हमला किया। खुद को बचाने के लिए हेमंत गाड़ी में वापस भागा, लेकिन बदमाशों ने गाड़ी की सीट पर बैठकर उसके सीने में पूरा चाकू घोंपा और फरार हो गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक घटनास्थल से करीब 150 मीटर की दूरी पर केशोपुर रेड लाइट पर एक पीसीआर खड़ी थी। घटना की सूचना पीसीआर वैन को दी गई, लेकिन उसमें सवार पुलिसकर्मी यह कहकर पश्चिम विहार की ओर आगे बढ़ गए कि उसकी ड्यूटी खत्म हो गई है। इस दौरान हेमंत खून से लथपथ सड़क पर पड़ा रहा, लेकिन कोई मदद को आगे नहीं आया। तब उसकी सांसे भी चल रही थी। पडोसी अरविंदर सिंह ने बताया कि बाद में एक व्यक्ति ने उसे नजदीक के अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

हेमंत के पिता सुभाष गुप्ता की पहले कनाट प्लेस में दुकान थी। लेकिन दो साल से वह घर पर ही रह रहे थे। हेमंत का एक भाई व एक बहन है। डेढ़ माह पहले ही हेमंत की सगाई हुई थी। समाचार लिखे जाने तक पुलिस ने अपनी जांच को कई पहलुओं से आगे बढ़ाया हुआ है परंतु अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है।

आठवीं कक्षा की छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म

दिल्ली में महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं वहीं दूसरी ओर दिल्ली पुलिस के तमाम दावों और सुरक्षा व्यवस्था को धता बताते हुए अपराधियों ने राजधानी को फिर शर्मसार कर दिया। बीते दिनों सामूहिक दुष्कर्म की घटनाओं से आलोचनाएं झेल रही दिल्ली पुलिस ने योजना बनाने एवं बयान जारी करने से अधिक कुछ नहीं किया है। अपराधियों ने इस बार एक आठवीं कक्षा की नाबालिग छात्रा को अपनी हैवानियत का शिकार बनाया है। मामला कल्याणपुरी थाने का है।

कल्याणपुरी में नाबालिग छात्रा के साथ पड़ोसी युवकों ने दुष्कर्म किया। क्रूरता की सारी हदें पार करते हुए आरोपियों ने न केवल छात्रा की पिटाई की, बल्कि किसी से कुछ बताने पर जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार कर लिया है।

सूत्रों के अनुसार कल्याणपुरी में परिजनों के साथ रहने वाली 15 वर्षीय लड़की आठवीं कक्षा में पढ़ती है। वह स्कूल से निकली थी कि उसके पड़ोस में रहने वाले युवक विकास उर्फ राजा उसके पास आया। वह उसे बहला–फुसलाकर कल्याणवास आवासीय कॉलोनी में खंडहर बन चुके भवन में ले गया। वहां अन्य युवक सुधीर मौजूद था। दोनों ने छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया और विरोध करने पर पिटाई भी की। इसके बाद किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी और फरार हो गए। वहां से छात्रा किसी तरह घर पहुंची, लेकिन डर से उसने परिजनों को कुछ नहीं बताया। बुधवार को उसने परिजनों को आपबीती सुनाई, इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने छात्रा का चिकित्सीय जांच कराई, जिसमें दुष्कर्म की पुष्टि होने पर मामला दर्ज कर लिया।

राजधानी दिल्ली बनी

क्राइम कैपिटल

चलती कार में गैंग रेप

lquhy Hknkfj;k

नई दिल्ली। चलती कार में कार सवार युवकों ने पड़ोसी युवक के साथ बस स्टैंड पर मां के इंतजार में खड़ी युवती को अगवा कर चलती कार में उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। इस घटना ने महिला सुरक्षा को लेकर किए गए पुलिस के दावों की पोल खोल दी है। आरोपी अगवा युवती को कार में डालकर न सिर्फ सड़कों पर घूमते रहे बल्कि उसकी इज्जत को भी तार–तार करते रहे। इस बीच पीड़ित युवती ने अपनी चाबी के गुच्छे से कार का पिछला शीशा तोड़ दिया था। तब भी कहीं पुलिस को कुछ गलत नहीं दिखा। पुलिस हरकत में आई पड़ोसी युवक की सूचना पर। करीब दो घंटे बाद मंगोलपुरी औद्योगिक क्षेत्र की एक गली में खड़ी एसेंट कार से युवती को बरामद कर पुलिस ने दो आरोपियों को मौके पर ही दबोच लिया। इसके बाद युवती के अपहरण में शामिल एक नाबालिग समेत दो युवकों को भी हिरासत में लिया है।

घटना शनिवार रात करीब पौने दस बजे की है। करीब 19 वर्षीय पीड़ित युवती मां के साथ अमन विहार के जगदंबा मार्केट में रहती है। मां मंगोलपुरी स्थित एक फैक्टरी में काम करती है। मां को घर लौटने में देर होने लगी तो युवती पड़ोस में रहने वाले रवि नामक युवक के साथ टी–4 ब्लाक बस स्टैंड पर उसे देखने पहुंच गई। फिर वहीं रुक कर मां का वह इंतजार करने लगी, तभी एसेंट कार में वहां चार युवक आए। उन्होंने बीयर पी रखी थी। युवती पर फब्तियां कसने लगे। रवि और युवती ने विरोध उनका विरोध किया तो कार से दो युवकों ने निकलकर युवती को पिछली सीट पर खींच लिया और वे सभी फरार हो गए।

रवि ने फौरन मामले की सूचना पुलिस को दी। उधर जानकारी के मुताबिक रास्ते में युवती ने विरोधस्वरूप अपनी चाबी के गुच्छे से कार का पिछला शीशा तोड़ दिया था। इस पर युवक और गुस्सा गए। वे युवती से नुकसान की भरपाई करने के लिए रुपये मांगने लगे, फिर कुछ दूर जाने पर दो युवक कार से उतर गए। सुल्तानपुरी व मंगोलपुरी इलाके में सड़कों पर घूमने के बाद युवती को आरोपी मंगोलपुरी औद्योगिक इलाके की एक सुनसान गली में ले गए। जहां उसके साथ दो युवकों ने सामूहिक दुष्कर्म किया।

जिला पुलिस उपायुक्त छाया शर्मा के अनुसार सुल्तानपुरी थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है। आरोपियों को पकड़ने के लिए अमन विहार, सुल्तानपुरी, बेगमपुर, विजय विहार समेत कई थाने की पुलिस टीम कार का पता करने में लगी थी। जबकि 70 बाइकों पर अन्य स्टाफ भी युवती को खोज रहा था। गिरफ्तार आरोपी रामा, चंद्रपाल और डब्बू सुल्तानपुरी के निवासी और पेशे से चालक हैं। एसेंट कार रामा की है। उसने हाल ही में कमेटी के रुपये से वह कार खरीदी थी। रविवार दोपहर तीन आरोपियों को अदालत के आदेश पर 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। रामा के खिलाफ पहले भी मारपीट का मामला दर्ज है। पुलिस बाकी आरोपियों का रिकार्ड खंगाल रही है।

राजधानी दिल्ली बनी क्राइम कैपिटल

पुलिस को सतर्क और चुस्त बनाये: शीला

fo'k"k laoknnkrk ekfgr c['kh

नई दिल्ली। शीला दीक्षित ने दिल्ली पुलिस से और अधिक सतर्क और त्वरित बनने को कहा ताकि राजधानी में ऐसे मामले फिर न हों। यह भी तय किया गया

कि दिल्ली महिला आयोग को मजबूत बनाया जाएगा ताकि वह महिला सुरक्षा के तंत्र में कारगर रूप से मददगार साबित हो सके। आयोग के दुष्कर्म संकट प्रकोष्ठ की हेल्पलाइनें बढ़ाई जाएंगी। आयोग ने दुष्कर्म पीड़ितों की चिकित्सा जांच के लिए अस्पतालों में समुचित व्यवस्था बनाए जाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

सामूहिक दुष्कर्म के मामले को लेकर चारों तरफ से आलोचना से घिरी दिल्ली पुलिस को मुख्यमंत्री शीला दीक्षित का वक्तव्य राहत पहुंचाने वाला हो सकता है। दिल्ली पुलिस व अन्य महिला संगठनों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि राजधानी में अपराध दर में कमी आई है। इसके बावजूद विश्वास के स्तर में बढ़ोतरी नहीं हुई है। महिलाओं की सुरक्षा से संबंधित कुछ मामले आ रहे है। ऐसे में यह जरूरी है कि सरकार, पुलिस और महिला संगठनों को ऐसे मामले पर काबू पाने के लिए, साथ ही महिलाओं में विश्वास का संचार करने के लिए मिलकर काम करना होगा।

उच्चस्तरीय बैठक के केंद्र बिंदु में महिला सुरक्षा पर गंभीर मंत्रणा हुई। राह चलती महिलाओं व कामकाजी महिलाओं को कैसे सुरक्षित किया जाए, यह एक जटिल प्रश्न बनता जा रहा है। इसी प्रश्न का उत्तर खोजने के लिए इस उच्चस्तरीय बैठक में चर्चा हुई। हालांकि, जिन बिंदुओं पर चर्चा हुई है, उन पर इससे पहले भी चर्चाएं हो रखी हैं। जब–जब महिलाओं के प्रति अपराध बढ़ता है, चर्चाएं होती हैं।

यह बात फिर कही गई कि ऐसे मामलों में विशेष अदालत होनी चाहिए जो हर रोज सुनवाई करे। बलात्कार के मामलों के लिए विशेष अदालत के गठन के मुद्दे पर दिल्ली पुलिस ने शीला दीक्षित की राय से सहमति जताते हुए सरकार इस प्रक्रिया के लिए कार्यवाही करे।

पुलिस कमिश्नर बीके गुप्ता ने ऐसी स्थिति पर काबू पाने के लिए किए गए उपायों के बारे में कहा। इन उपायों में पुलिस थानों में महिला अधिकारियों की तैनाती, महिलाओं को जागरूक बनाना, तुरंत कार्रवाई करना, ऐसे अपराधों के संभावित क्षेत्रों में पीसीआर वैन की तैनाती, नागरिक पंचायतों का गठन, पुलिसकर्मियों को अंग्रेजी का प्रशिक्षण देकर भाषा में आ रहे अवरोध की समाप्ति, गश्त पर निगरानी रखने के लिए लैपटॉप के साथ 100 हुंडई कार की तैनाती, काले शीशे की कार और नशे में वाहन चलाने पर चालान, रात के दौरान औचक निरीक्षण शामिल हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र सरकार से मोटर वाहन कानून में संशोधन करने का अनुरोध किया गया है ताकि काले शीशे के इस्तेमाल और नशे में वाहन चलाने पर भारी चालान किया जा सके। यह सुझाव दिया गया कि इसके लिए केंद्र सरकार से अध्यादेश जारी करने को कहा जाए। गुप्ता ने यह भी बताया कि दिल्ली पुलिस अपराधों और यातायात के उल्लंघन को रोकने के लिए एक इंटेलिजेंट ट्रैफिक सिस्टम लगा रही है। 600 करोड़ रुपये की लागत की प्रणाली लगभग दो साल में चालू हो जाएगी। इसके तहत प्रमुख चौराहों पर 1500 कैमरे लगाए जाएंगे।

दिल्ली महिला आयोग की तरफ से बरखा सिंह ने सुझाव दिया है कि सभी कारों में जीपीएस सिस्टम होना चाहिए। आयोग ने बताया कि उसका दुष्कर्म संकट प्रकोष्ठ 24 घंटे काम करता है। आयोग ने पीड़ितों के लिए अस्थायी आश्रय प्रदान करने का अनुरोध किया है। आयोग ने भरोसा दिलाया है कि वह महिलाओं को जागरूक बनाने के प्रयासों में हरसंभव सहयोग देगा। मुख्यमंत्री ने सभी संबंधित एजेंसियों से महिलाओं में सुरक्षा की भावना का संचार करने के लिए मिलकर काम करने को कहा है। राजधानी में पुलिस अगर सख्ती पर उतर आए तो अपराधी क्षेत्र से भाग सकते हैं।

मासूम बालिका की निर्मम हत्या

❑ lquhy dqekj Hknkfj;k

दिबियापुर (औरैया)। ग्राम पंचायत हरचन्दपुर के गांव सराय पुख्ता की मासूम मनीषा नाम की बालिका का मृत शरीर गांव के पास खेतों में मिला गांव वालों के अनुसार बालिका की बलि दी गयी और उसको खेतों में फेक दिया गया। वहीं पुलिस प्रशासन का मानना है कि बालिका के साथ दुष्कर्म करने के बाद हत्या कर दी गई है। घटना की जानकारी पर ग्रामीणों ने अपराधियों के घरों में घुसकर तोड़फोड़ और मारपीट की। मारपीट में कई व्यक्ति घायल हो गए। ग्रामीणों ने पुलिस को तक शव को मौके से उठने नहीं दिया। देर शाम पीएसी एवं जिले के कई थानों की पुलिस के साथ पहुंचे सीओ ने ग्रामीणों को समझाबुझाकर शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा दिया।

बालिका के पिता राजेंद्र दिवाकर के अनुसार गांव के रिंकू पुत्र रामविलास निवासी सरायपुख्ता, मोनू पुत्र गोधन एवं पप्पू निवासी सिरसा जालौन ने बीती आठ दिसंबर को देर शाम उनकी बेटी मनीषा को नशीला बिस्कुट खिलाकर उस समय अपहरण कर लिया जब वह अपनी छोटी बहन निशा के साथ बाजार गई थी। निशा ने घर पहुंचकर अपराधियों के नाम एवं घटना की जानकारी दी।

पीड़ित का आरोप कि पुलिस ने उनकी बेटी की गुमशुदगी तक दर्ज नहीं की। उस दिन दोपहर गांव के लोगों को मनीषा की लाश गांव के एक खेत में मिली। यह खबर पूरे गांव में आग की तरह फैल गई और आसपास के कई ग्रामों के सैकड़ों ग्रामीण घटनास्थल पर इकट्ठा हो गए। ग्रामीणों का कहना है कि मनीषा की जादू–टोना के लिए बलि देने को हत्या की गई है। आक्रोशित ग्रामीणों ने गांव में रहने वाले बाल्मीकि समाज के घरों पर धावा बोल दिया। आक्रोशित ग्रामीणों ने अपराधियों के घरों में घुसकर तोड़ फोड़ की। अपराधियों के परिजनों को भी जमकर मारापीटा। सूचना पर पहुंची थाना पुलिस को ग्रामीणों ने खदेड़ लिया और शव को मौके से नहीं उठने दिया। घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए पुलिस की गाड़ियां लेकर गांव से बाहर निकलने लगीं तो ग्रामीणों ने रास्ते बन्द करके पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारे लगाने लगे। तभी सीओ औरैया डीके राय, जिले भर के कई थानों की पुलिस एवं पीएसी के साथ मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को किसी तरह समझाबुझाकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। ग्रामीणों का आरोप था कि पुलिस की लापरवाही के चलते ही घटना हुई है। इस दौरान महिलाओं ने यहां पहुंचे पुलिस अधिकारियों को खरी खोटी सुनाई। सीओ को भी ग्रामीणों के गुस्से का शिकार होना पड़ा। एसपी अब्दुल हमीद ने मौके पर पहुंचकर अधीनस्थों से घटना की जानकारी ली। सीओ डीके राय के अनुसार प्रथमदृष्टया मामला दुष्कर्म के बाद हत्या का लग रहा है। पिता ने आरोपियों के खिलाफ नामजद तहरीर दी है। समाचार लिखे जाने तक रिपोर्ट दर्ज नहीं हुई है। घटना का पर्दाफाश पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा।

पुलिस समय पर कार्यवाही करती तो बच सकती थी मनीषा की जान

सरायपुख्ता के प्राथमिक विद्यालय में कक्षा चार की छात्रा मनीषा का पिता अपनी बेटी की मौत की खबर पर बदहवास है तो उसकी मां बार बार गश खाकर गिर पड़ती है। मनीषा के ताऊ देवेंद्र दिवाकर ने हत्यारोपियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की मांग की है।

देवेंद्र दिवाकर और ग्रामीणों का कहना है कि मनीषा के अपहरण की बात पता लगते ही छोटी बेटी निशा के बताने पर आरोपियों को पकड़ने के लिए प्रयास प्रारंभ कर दिए। पुलिस को तहरीर दी तो उन्होंने यह कहकर टाल दिया कि अपने स्तर पर लड़की की तलाश करो। अगले ही दिन उन्हें पता चला कि जालौन में रहने वाला पप्पू औरैया जिले के ही रानीपुर में रहने वाली अपनी बहन के घर पर रहता है और तंत्र मंत्र जादू टोना करता है। अपहरणकर्ताओं में पप्पू के शामिल होने के कारण संदेह हुआ कि लड़की की बलि दी जा सकती है। मामले की जानकारी दिबियापुर थाना पुलिस को दी। सक्रिय हुई थाना पुलिस ने गांव के संदिग्ध एक युवक मनोज निवासी सरायपुख्ता को गिरफ्तार कर बाकी की तलाश प्रारंभ कर दी। मनोज ने बताया कि मनीषा रानीपुर में है। इस पर शनिवार की रात लगभग दो बजे वह मनोज एवं थाना पुलिस के साथ रानीपुर गांव पहुंचे। परंतु पता चला कि कुछ ही समय पहले अपहरणकर्ता मनीषा को लेकर चले गए हैं। और आज दोपहर मनीषा की लाश गांव के खेतों में मिल गई। उनका मानना है कि संभवतया सुबह के समय मनीषा की बलि देकर लाश को गांव में फेंक दिया गया है। हालांकि उन्होंने मनीषा के साथ बलात्कार के बाद हत्या की बात को भी पूरी तरह से सिरे से खारिज नहीं किया है। देवेंद्र का कहना है कि पूरा मामला तो पोस्टमार्टम रिपोर्ट में ही सामने आएगा।

मथुरा बनी बदमाशों की नगरी

राधे-राधे बोलो जहां कही भी वारदात करो

शिवा तोमर

मथुरा। कान्हा नगरी अब बदमाशो की नगरी लुअेरों के आंतक से गोवर्धन बरसाना रोड थर्रा उठा बदमाशो ने दो गाड़ियों को निशाना बनाकर अंधाधुंध फायरिंग की जिसमें एक महिला की मौत हो गई घायल को लकर पीड़ित परिवार पुलिस कार्रवाई को चक्कर काटता रहा और सीमा विवाद के नाम पर तीन थाने उन्हें इधर से उधर टरकाते रहे आखिर में वे दिल्ली लौट गए पुलिस ने घटना स्थल का निरीक्षण किया दिल्ली के न्यू चौहान पुरा करना बन वल नगर निवासी बाबू राम तौमर पुत्र अमीलाल अपनी पत्नी श्रीमती द्रोपदी (56) साल के साथ ब्रज दर्शन के लिए आए थे गोवर्धन परिक्रमा कर बरसाना दर्शन करने के लिये जा रहे थे गोवर्धन बरसाना रोड पर नगाला धन्नू के निकट चार हथियारबंद बदमाशों ने टवेरा को निशाना बनाकर अंधाधुध फायरिंग की एक गोली रामबाबू को छूती हुई उसकी पत्नी द्रोपदी के मुंह में लग गई पीड़ित घायल महिला को लेकर थाना बरसाना छाता कोतवाली और कोसी थाने पहुंचा लेकिन उसकी कोई सुनवाई नहीं हुई तो वह दिल्ली लौट रहा था कि रास्ते में ही महिला की मौत हो गई पीड़ित ने घटना की जानकारी दिल्ली में क्षेत्रिय विध ायक को दी विधायक ने मथुरा वृंदावन के कांग्रेस विधायक प्रदीप माथुर से संपर्क साधा विधायक प्रदीप माथुर ने वरिष्ठ पुलिस अध ीक्षक राम भरोसे को मामले से अवगत कराया कप्तान के हस्तक्षेप के बाद ही थाना गोवर्धन में घटना की रिपोर्ट दर्ज हो सकी दिल्ली पुलिस बरसाना पहुंची और घटना स्थल का निरीक्षण कर वापस चली गई। बरसाना प्रतिनिधि के अनुसार इससे पहले गोवर्धन से बरसाना को मारूति कार से वापस लौट रहे बरसाना निवासी यतेन्द्र श्रोतिया की गाड़ी को गांव भगोसा के निकट हथियार बंद बदमाशों ने रोकने का प्रयास किया चालक ने कार नहीं रोकी तो बदमाशो ने कार को निशाना बनाकर फायरिंग की जिससे वे बाल-बाल बचे हालांकि फायरिंग से कार का शीशा टूट गया पीड़ित ने थाना बरसाना में तहरीर दी है। थानाध्यक्ष बी.पी. सिंह ने बताया कि मामला थाना गोवर्धन का है। पुलिस दोनों मामलों में टटलू गैंग का हाथ होने की संभावना व्यक्त कर रही है।

लक्ष्मी नगर हादसे के दौरान आपदा और राहत कार्यों में एनसीसी कैडेटों ने निभाई अहम भूमिका

❑ **सलिल सहगल**

लक्ष्मी नगर का वो सहमा देने वाला हादसा शायदा ही कोई भुला पाये। इस पांच मंजिला इमारत के ध्वस्त हो जाने से काफी संख्या में लोगों ने अपनी जान गंवाई, कुछ बुरी तरह से घायल हुए और कुछ तो बेसहारा हो गये। पूर्वी दिल्ली में एक रात करीब सवा आठ बजे चानक एक इमारत अपने आप कब ढह गई जिसने काफी लोगों को काल के गाल में समा लिया। एक चौंका देने वाली बड़ी खबर बन गई। बिल्डिंग गिरने के कुछ देर तक केवल स्थानीय निवासी ही आपदा के लिए आगे आये और कुछ ही देर में वहां खाकी वर्दी में एनसीसी ऑफिसर प्रेमपाल सिंह के नेतृत्व में कुछ कैडेट निस्वार्थ राहत कार्यों को अंजाम देते नजर आये। इस हादसे में शिकार हुए लोगों को इन कैडेटों में ना तो कोई रिश्तेदार था और ना ही कोई किसी का परिचित। लेकिन समाज के प्रति अपना कर्त्तव्य निभाने वाले ये 5 दिल्ली बटालियन के गीता कॉलोनी, 13 ब्लॉक स्कूल के कैडेट उम्र में तो बहुत छोटे दिखाई दे रहे थे लेकिन काम बड़ों से भी ज्यादा अहम कर रहे थे। इमारत ध्वस्त होने से सभी ओर चीखें ही सुनाई दे रही थीं लेकिन उन चीखों के पार जो नजारा हमारी आंखों के सामने था वो शायद बयां करना मुश्किल ही नहीं बल्कि नामुमकिन था। लेकिन इन चीखों से परे राष्ट्रीय कैडेट कोर यानि एनसीसी के अधिारी पी.पी. सिंह, सीनियर कैडेट दानिश इकबाल और ना जाने कितने ही कैडेट कहीं ध्वस्त इमारत में दबे लोगों को बाहर निकलवा रहे थे तो कहीं इमारत गिरने से जो बड़े-बड़े पेड़ टूट गये थे उन्हें रास्ते से हटा रहे थे। कई कैडेट तो स्थानीय लोगों के साथ मिलकर मलबे में दबे लोगों को निकालने के बाद एंबुलैंस की ओर दौड़ते नजर आये। एकता और अनुशासन का पाठ पढ़ने वाले इन कैडेटों को परेड और रैलियों में तो जरूर देखा था लेकिन वास्तव में आपदा के समय लोगों की मदद कर राहत कार्यों को अंजाम इन कैडेटों के लिए सराहनीय कदम कहा जा सकता है।

साभर लेक त्रासदी की ओर–डॉ. राकेश रंजन

वरिष्ठ संवाददाता दीपक कपूर (जयदीप)

माँ अपने बच्चों को स्वतंत्र रूप से खेलने देती है, पर साथ ही ध्यान रखती है कि खेल-खेल में वे किसी विपत्ति में न फंस जाएं। ईश्वर ने मनुष्य को स्वतंत्रता दी है और प्रकृति जो ईश्वर के समीप है या स्वयं ईश्वर का स्वरूप है उससे जिस प्रकार खिलवाड़ हो रहा है वह विनाश का सूचक है जिसकी सूचना सूक्ष्मदर्शी, तत्तवज्ञानी पराप्रकृति और अपराप्रकृति में हो रहे परिवर्तनों का अध्ययन कर युग परिवर्तन की पूर्वसूचना दे रहें हैं। दूसरे शब्दों में इसे परिवर्तन या प्रत्यावर्तन कह सकते हैं स्वयं महाकाल इसकी व्यवस्था करते हैं, आज इसी प्रकार का प्रयास प्रबल हो चुका है। जब ग्वाला ही भेड़े मारने लगे रक्षक ही भक्षक बन जाए तब समझना चाहिए की खेर नहीं।

राजस्थान (जयपुर) से करीब 60 कि.मी. दक्षिण पश्चिम दिशा में प्राकृतिक नमकीन पानी का एक तालाब हे जिसे साँमर लेक कहते हैं। यह करीब 96 sq.km में फैला हे तथा वर्ष 1992 में इसे विश्व सम्पदा की श्रेणी में सम्मलित किया जा चुका है। दो छोटी नहरें मेंधा एवम् रूपनगढ़ और बरसात के पानी पर साम्भर लेक अपनी पानी की प्यास बुझाने के लिए आश्रीत रहता है। किन्तु भूत एवम् वर्तमान में जिस प्रकार प्रकृति से बलात्कार हुआ और हो रहा हे ये लेकर विलुप्त होने की फगार पर है। पानी 75 प्रतिशत से 80 प्रतिशत सूख चुका है, वृक्षों के कांटे जाने पर कोई प्रतिबन्ध नहीं है, सरकारी जमीन पर कब्जे हो रहे हैं, नमक या माफिया मनमाने ढंग से, असंवैधानिक तरीको को अपना कर कानून की धज्जियां उड़ा कर या कानून के रक्षकों के साथ सांठ-गांठ कर धरती का सीना चीर कर जिस प्रकार नमक उत्पादन कर रहा है इनसे हाला और बदतर हो रहे हैं। लेक के ऊपर की एवं आस-पास की जमीन पर कृषि माफिया ने पैर फेला लिए हैं जो जहां-तहां से लेक का सीना चीर उसके पानी का रूख अपने खेतों की तरफ मोड़ देते हैं। खेत के कैचमैंट एरिया में जो जंगल आते हैं उनमें बसने वाले पशु पक्षी एवम् जंगल की हालत भी दयनीय है। आए दिन माफिया तथा लोकल लोग वहां शिकार

करते हैं तथा अर्तराष्ट्रीय बाजार में बेचते हैं या उन्हें अपना भोजन बना लेते हैं। बरसातों तथा सर्दी की दस्तक के होते ही कुछ विलुप्त प्रजाति के पक्षी जैसे फ्लैमिनगो व अन्य पक्षी हजारों मील का फासला तय कर साम्भर लेकर आते हैं किन्तु कुछ वर्षो से इनकी तादात में 80 प्रतिशत की कमी आई है क्योंकि यह पक्षी एक विशेष प्रकार की कोई जिसे अलगल कहते हैं खाता है जो पानी की कमी से अब आवश्यकता अनुसार नहीं हो पा रही है। वर्ष में यही समय इनका जनून काल होता है और जब खाना ही नहीं मिलेगा तो ये स्वयं को कैसे बचा पाएंगे। इसके अतिरिक्त बढ़ता औद्योगिकरण जो लेक के आसपास पैर फैल्प रहा है और सारी रसायन गन्दगी को लेकर में समर्पित करता है वह भी जिम्मेदार है। अंग्रेजों के समय में बनाई गई नैरो गेजरेल जो इसलिए बनाई गई थी कि उसमें सैर कर लेक की सुन्दरता का आनन्द लिया जा सके वह भी अब जर्र-जर्र हालत में है। लेक के चारों ओर फैले अरावली के पहाड़ों में बरोट-टोक खनन जारी है। लेक कके आसपास फैले बीस गांव में जहां पानी, विद्यालय, चिकित्सा की सुविधा नहीं है वहां गांव एवम् जंगल की जमीन पर भिन्न व्यवसायों में लिप्त माफिया कब्जे कर रहे हैं जिन्हें सरकारी संरक्षण प्राप्त है।

प्रकृति एवं पर्यावरण को बचाने की इस पहल में कुछ प्रकृति और देश प्रेमी लोगों से भी हमारी भेंट हुई जो विदेश छोड़ अपने देश लौट तन, मन, धन, अनुभव और शिक्षा को अपने देश की सेवा में लगा देना चाहते हैं। ऐसी ही एक शख्सीयत **डा. राकेश रंजन जो पेशे से इंजीनियर है** और साम्भरलेकर जैसे अन्य ऐसे लेक तथा पशुओं को बचाने में भरसक प्रयत्न में जुटे हैं उनसे हमारी भेंट हुई। इनकी कोशिश और जज्बे ने हमें बहुत प्रभावित किया।

आज ध्यान से देखा जाए तो राजतंत्र, धर्मतंत्र, समाजतंत्र, बुद्धितंत्र के क्षेत्रों में नेतृत्व करने वाली प्रतिमाएं बुरी तरह अपने कर्त्तव्य से च्युत हो रही हैं। सर्वसाधारण की गतिविधियों में गिरावट आ जाना, उतना चिंताजनक नहीं, जितना प्रतिमाओं का नैतिक अंधापतन। उच्चवर्ग भ्रष्ट होगा तो जनसाधारण को भी भ्रष्टा ही सरल और उचित लगेगी। एक कहावत है समय पर लगाया एक टांका, नौ टांके लगाने से बचाता है। हम अभी भी नहीं संभले तो इसका प्रतिफल अगणित आपत्तियों के रूप में भुगतना पड़ेगा।

बेघर लोगों की सेवा ही मानवीय धर्म हैः डी. पी. सिंह

❑ **एस. पी. सिंह एडवोकेट**

दिल्ली जैसे महानगर में हजारों लोग इस कडाके की ठंड में खुले आसमान में अपनी रात बिताने को मजबूर है। ऐसे में बेघर लोगों को रैन बसेरे के माध्यम से मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना ही मानवीय धर्म है, यह उद्‌गार एसडीएम गांधी नगर श्री डी. पी. सिंह ने दिल्ली सरकार के सहयोग से सरस्वती एजूकेशनल सोसायटी द्वारा चलाए जा रहे रैन बसेर (रानी गार्डन) के उद्‌घाटन अवसर पर व्यक्त किये समिति अध्यक्ष अमित मिश्रा ने कहा कि रैन बसेरे में 50 लोगों के लिए बिस्तर, कम्बल, बिजली, पानी आदि की पूर्ण व्यवस्था है, साथ ही समिति इन लोगों के स्वास्थ्य एवम् भोजन आदि का भी समय–समय पर प्रबंध करेगी कार्यक्रम में प्रदीप महाजन, गिरिश निशाना, राजेन्द्र, डी.सी. गुप्ता, धर्मपाल, देवजीत, राजेश आदि गणमान्य लोग भी उपस्थित थे।

सैकड़ों वर्षा बाद दरगाह पर जागी आस्था

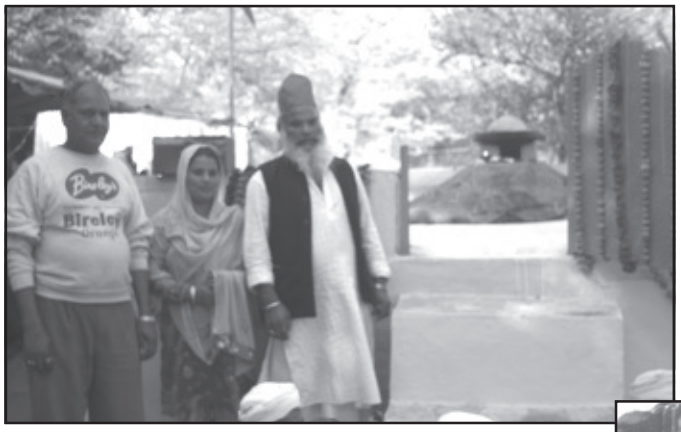

❑ **शाकिर अली खान**

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली के महरौली क्षेत्र में सैकड़ों वर्ष पुरानी दरगाह में लोगों की अब आस्था जाग उठी है यह दरगाह महरौली के स्लम बस्ती वार्ड 6 के जंगल में 6 सौ साल पुरानी दरगाह बनी है जहां अब गद्‌दीनसीन खाजिम अविंद खान उर्फ पहलवान बाबा देखरेख कर रहे है। बाबा का कहना है। कि यहां वैसे तो कई मजारे है लेकिन मुख्य दो मजारे है। यह मजारे दोनो भाईयों की है। बड़ी मजार मो. सैयद हनीफ चिस्ती और छोटे भाई मो. जलालुद्‌दीन नौ गंज पीर की है। पहलवान बाबा यहां कई वर्षों से अपने एक बेटी के साथ रहते है। यहां दरगाह की सेवा करते है। इस दरगाह पर हर वर्ष उत्साह मनाया जाता है। परन्तु बाबा सप्ताह के गुरुवार को लंगर करते है। बाबा लंगर के लिए ऑटो चला कर अपना जीवनयापन करते है। लंगर भी करते किसी से कोई चन्दा नहीं लेते इस दरगाह पर रोशनी के लिए बिजली पीने के पानी, आने–जाने के लिए ठीक रास्ता नहीं है। बाबा अंधकार भरे जंगल पड़े रहते है। नवम्बर माह के दूसरे सप्ताह में उर्स (मेला) का आयोजन लिया गया कई राज्यों के श्रद्धालु दरगाह में दर्शनकर पुष्प चढ़ाये और लंगर का प्रसाद ग्रहण किया उर्स (मेला) की व्यवस्था में सहयोगी मो. आसीफ अली (सवरी) मो. आयुब खान उर्फ जरनल, मो. सफीक, मो. हनीफ आदि ने किया।

उदय के मंच पर कई हस्तियाँ सम्मानित

Lo.rk vjkMk

उदय सामाजिक सांस्कृतिक मंच की

ओर से समाज के विभिन्ना क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले कर्तव्यनिष्ठ अधिकारियों, शिक्षकों, कर्माचारियों और मीडिया जगत से जुड़ी हस्तियों को उदय सम्मान 2010 से नवाजा गया. मंडी हाउस स्थित एलटीजी

सभागार में सांसद ऑस्कर फर्नाडीज, प्रो. वीरेन्द्र कश्यप, संयुक्त आयुक्त दिल्ली पुलिस डॉ.एन.दिलीप कुमार, भ्रष्टाचार निरोधक शाखा के अतिरिक्त आयुक्त आई.डी.शुक्ला, विधायक मतीन अहमद, पूर्वी जिला पुलिस के अतिरिक्त उपायुक्त डी.के.गुप्ता, वरिष्ठ पत्रकार श्रीवर्धन त्रिवेदी, हिंदी अकादमी के सचिव रवीन्द्र नाथ श्रीवास्तव 'परिचय दास' ने सम्मानित किया है.

मंच के अध्य विनोद शर्मा के मुताबिक सम्मानित होने वालों में डॉ.अरुन शर्मा(आईएएस) प्रमुख सचिव हिमाचल सरकार, एच.सी.सिंह (आईपीएस) महानिरीक्षक अग्निशमन सेवा उत्तर प्रदेश, एसएस यादव (आईपीएस), एस.के.दहिया उपश्रमायुक्त, राजाराम यादव, एसीपी पहाड़गंज, हरिदर्शन दहिया एसीपी शालीमारबाग, एसएचओ कमला मार्केट सुरेन्द्रजीत कौर, यातायात निरीक्षक महेश नारायण, गुड़गांव सेक्टर 55 थाने के एसएचओ अनिल कुमार जूडो, चीन में चल रहे एशियाड में पदक विजेता संध्यारानी व बिमोलजीत के साथ–साथ उनके कोच राजवीर सिंह, लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. आर.ए. गौतम, बैंक ऑफ बड़ौदा के प्रबंधक धर्म सिंह, मीडिया क्षेत्र से जुड़े लोगों में वरिष्ठ पत्रकार विजय राय, प्रकाश मिश्रा, अरुण जायसवाल, श्रीनिवास ओली, बर्षा सिंह, मनीष वर्मा, शशिमोहन रावत, सुभाशीष शाहा आदि शामिल थे.

इस अवसर पर सांसद आूस्कर फर्नाडीज ने कहा कि समाज के विभिन्ना क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वालों का सम्मान करना एक बहुत अच्छी शुरुआत है। इससे संस्था और लोगों की समाज में अच्छा काम करने के लिए प्रेरित कर रही है। श्री फर्नाडीज ने इस अवसर पर उदय मंच की ओर से निकाली जाने वाली मासिक पत्रिका स्टार उदय का भी विमोचन किया. इस पत्रिका के प्रथम अंक में भ्रष्टाचार से लड़ाई लड़ने वाले दो अधिकारियों डॉ. एन दिलीप कुमार और आईडी शुक्ला के बारे में बताया गया। शिमला(हिमाचल प्रदेश) के सांसद वीरेन्द्र कश्यप ने कहा कि यह संस्था शिक्षकों, पत्रकारों, डॉक्टर व समाज के सभी क्षेत्रों में अच्छा काम करने वाले लोगों को सम्मानित करना बेहद ही सराहनीय कार्य है. दिल्ली पुलिस के संयुक्त आयुक्त डॉ.एन.दिलीप कुमार ने कहा कि लोगों को भ्रष्टाचार से लड़ाई लड़ने में जरा भी हिचकना नहीं चाहिए। भ्रष्टाचार निरोधक शाखा के अतिरिक्त आयुक्त आई.डी.शुक्ला ने कहा कि जनता को किसी भी सरकारी कर्मचारी को रिश्वत नहीं देनी चाहिए. अगर कोई रिश्वत मांगता है तो शाखा के पास आए।

61 हजार जूते खाकर लालू अब भी अव्वल

हरियाणा के मुख्यमंत्री भूपिन्दर सिंह हुड्डा पर भले ही दोबारा जूताबाजी कर दी गयी हो लेकिन यहां लालू 61 हजार से भी अधिक जूते खाकर शान से मौजूद है. जूता खानेवालों की जमात में यहां सोनिया गांधी से लेकर अटल बिहारी वाजपेयी तक मौजूद हैं. इसलिए अगर आप प्रत्यक्ष तौर पर किसी नेता या नौकरशाह को जूता नहीं मार सकते हैं यहां आकर अपनी भड़ास निकाल सकते हैं.

असल में जूता मारने के लिए यह एक वेबसाइट है जहां नेताओं और भ्रष्ट नौकरशाहों के फोटो रखे गये हैं. एक सामान्य सा खेल है. आप किसी भी नेता के फोटो पर क्लिक करके उसका चुनाव कीजिए और तय कीजिए कि आप उस नेता या नौकरशाह पर जूता मारना चाहते हैं या फिर अण्डा फेंकना चाहते हैं. आप चाहें तो उसके ऊपर केक का प्रहार भी कर सकते हैं. बस एक माउस से क्लिक करिए और जूता या फिर अण्डा सीधे नेता के सिर पर जा लगता है. इस तरह वेबसाइट की नजर में एक जूते की संख्या और बढ़ जाती है.

इस वेबसाइट में जूते खाने में अगर लालू अव्वल हैं तो दूसरे नंबर पर राज ठाकरे हैं. आश्चर्यजनक तो यह है कि जूता खाने में लालकृष्ण आडवाणी तीसरे और सोनिया गांधी चौथे नंबर हैं. पांचवे नंबर पर नरेन्द्र मोदी है.

भ्रष्टाचार से परेशान इस देश के आम आदमी की मनोदशा को बड़ी सटीकता से पकड़नेवाली इस वेबसाइट का नाम ही जूतामारो.कॉम है. हालांकि यह आपत्तिजनक भी हो सकता है कि किसी व्यक्ति को इस तरह सार्वजनिक तौर पर जलील किया जाए. बहरहाल ऐसा लगता है कि अभी तक राजनीतिक दलों के नेताओं की इस साइट पर नजर नहीं पड़ी है. जब तक ऐसा है तब तक आप भी किसी न किसी नेता पर जूते फेंककर अपनी भड़ास निकाल सकते हैं।

इंडियन न्यूजलाईन सर्विसेस की टीम

बजरंगी लाल - SS	गोविन्द पासवान -	उमेश वर्मा (C.A.)
दयानन्द -	शकिर अली -	आयूष अग्रवाल -
पवन नेब -	सुनील खुरचन -	हरिचन्द्र भगत -
कपिल, मनीष -	पप्पू जैन -	नरेन्द्र प्रिंटर -
सुधीर सैनी -	विनय सेठ -	मनीष जैन -
संजीव सिंघल -	धर्मदेव (DD) -	सुनील सक्सैना W
श्वेता अरोड़ा -	ब्रह्मपाल -	जसपाल सिंह
कु. रचना भार्गव -	राजेन्द्र सिंह अवतार -	अंकित शर्मा
राजीव फोटो स्टेट -	मनोज कुमार -	अमरनाथ गिरी -
दिलाबर अली -	जितेन्द्र शर्मा -	हरीश सोनी -
प्रवीण कालड़ा -	नन्दलाल -	करन सिंह (छोटू) -
राजू श्रीराम -	विनोद गुप्ता -	वी. के. निझावन -
आशीष यूनूस -	सौरव, मधुसूदन -	बृजमोहन सिंगल -
देवेन्द्र राठौर -	बी.बी. दीक्षित -	ए. आर. हाशिमी -
सचिन जैन -	(उत्तर प्रदेश कोर्डीनेटर)	(ब्यूरो चीफ गाजियाबाद)
ईशा जैन -	राजकुमार लोचकिया -	श्रीकृष्ण गुप्ता -
परविन्द्र राजपूत (आगरा ब्यूरो)	(चीफ रिपोर्टर गाजियाबाद)	अमर प्रकाश

दमन-दीव बनाम लालू भाई, सांसद समाजसेवी या साधु

वरिष्ठ पत्रकार मृत्युंजय पाण्डेय

गुजरात के पड़ोसी दमन संघ प्रदेश के कच्ची गांव, पंचायत के डुंगरी फरिया एक

छोटे गांव, में जन्में, लालु भाई पटेल, आज भाजपा से लोक सभा सदस्य हैं। वर्षों राजनीतिक हलकों, एवं ग्रामीण परिवेश में ग्रामीणों के दु:ख सुख का सच्चा पुरोधा अपनी जीवन मिमांशा को, दरकिनार कर सेवा-भाव में रमा रहा। अपनी थोड़ी बहुत कमाई, और व्यापारिक पकड़ के वजह से लोगों को खासा मदद किया। परिणति में जनता ने सांसद सदस्य के रूप में भारी मतों से विजयी करार कर दिया।

एक दिन गांव की तपती शाम, सूरज ढ़ल चुका था, पर गर्मी थी, कि उतरने का नाम नहीं लेती- अचानक धुल उड़ती गाड़ियों का लंबा काफिला, गांव में दाखिल होता है। वित-राग में डुबे उस गांव को जैसे सचमुच में बिजली का झटका लगा गया हो। बच्चे बेतरतीब गाड़ियों के पिछे, झुण्डों में भागने लगते है। गांव के बुजूर्गों की झुर्रियों में, अद्‌भुत चमक दौड़ जाती है। घुंघट के पिछे औरतों की विहंसती आंखो को सहज देखा जा सकता है। और जंगल की आग की तरह फैली खबर से वशिभूत, नौजवानों की एक लम्बी कतार उस घर के सामने जमा होने लगती है। जहां उन गाड़ियों का काफिला अभी पहुंचा भी नहीं है। धुल उड़ाती गाड़ियों का काफिला जब रूकता है, और उसमें से साढ़े पांच फी श्यामल काया के आकर्षक व्यक्तिगत अपनी मोहिनी मुसकान से बाहर निकलते हैं तो उनके पांव छुने, हाथ मिलाने, गले मिलने एवं माला गुलदस्तों की कवायद से बकायदा भगदड़ मच जाती है। तकरीबन हर व्यक्ति को वे उसके नाम से संबोधित कर रहे होते हैं। दमन-दीव की जनता उन्हें सार्वजनिक जीवन में सर्वोच्च सम्मान से अलंकृत किया है। अपना और अपने प्रदेश के विकास का विरवा बनाया है।

पर इससे इतर अपने गांव वालों के लिए तो वे सचमुच के मसीहा हैं। गांव की एक विध वा औरत जब अपने जवान बेटे के इलाज के लिए अपनी जमीन बेचने का प्रस्ताव रखती है तो भौंचक लालू पटेल अपनी गीली आंखें पोंछते नजर आते है। सिर से पैर तक कर्ज में डुबी उस विधवा के बेटे को बेहरत इलाज के लिए फौरन डॉ. का सलाह लेते हैं। भर्ती करवाने की प्रक्रिया पुरा करवाते हैं, लगे हाथ उस विधवा को पैतालिस हजार रुपयों की फौरी मदद भी करते है। ताकि वह कर्ज मुक्त हो सके। दिहाड़ी पर मजदूरी करने वाला एक श्रमिक अखण्ड यज्ञ के लिए दस हजार रुपयों की मांग करता हैं तो वे हंसकर कहते है,- वैसे ले लो, पर इससे मवेशी खरीद लेना, या छोटा-मोआ धंधा कर लेना। पूजा-पाठ तो यथाशक्ति ही करनी चाहिए।

दमन-दीव सांसद लालूभाई पटेल ने, अपनी जीत को स्वीकारते हुए जनता की जीत बताई। तथा इन्होंने, कहा कि यह जीत हमारी नहीं जनता की हैं, जिस उम्मीद के साथ इन लोगों ने मेरे उपर अपना कार्य भार सौंपा, कसम है, निभाऊंगा। पून: लालू भाई ने दमन-दीव जनता के सफल हित हेतु, महारूद्राभिषेक हवन, भोजन 30 दिनों के लिए करवाया। भरी बरसात, आंधी तुफान के कई थपेड़ों को झेलते हुए, जनता की आवाज बुलन्द करने हेतु सांसद का भी समय नहीं छोड़ा, और यज्ञ में, अपनी ध र्म-पत्नी एवं भाइयों को अगुआ बना, जनता के हितो हेतु अपना सर्वस्व बलिदान देने का संकल्प लिया। लालू भाई दमन के एक छोटे

गांव से निकलकर दिगदिगांतर को एक नई ज्योर्तिमय दिशा देने वाले इस शख्स के

विनयशिलता का कायल हुए बिना आप नहीं रह पाएंगे। सफलता के सातवें आसमान पर पहुंच कर भी वे अतिशय विनम्र है। ‘‘खालिश दमनियां शफ्फाक पारदर्शी? यह पुछने पर कि इतनी सफलता ने उनके दिमाग को नहीं घुमाया, वे हंसकर कहते हैं, मैं तो एक मामूली व्यक्ति हूँ, समाजसेवा का जज्बा था, जनता ने, पुरस्कार दिया, मैं इसे, चाइलेंज के रूप में स्वीकारा, शायद मेरे जीवन का यही अभिष्ठ भी था, पर किस्मत ने मुझे यहां पहुंचा दिया।

इनके गुणों आदर्शों और गरीब प्रेम को देख मुझे अहसास हुआ कि इनके व्यक्तित्व के बारे में यह कहना इतना अप्रांसंगिक नहीं होगा कि वे स्वयं विचारों की एक चिरंतन प्रज्जवलित अग्नि हैं, जिनकी ऊर्जा सामने वाले व्यक्ति को भी रूपांतरिक कर देती है। जैसा कि वे स्वयं भी मानते हैं। माता, पिता, गुरू, मौलवी सब दे सकते हैं, पर बोध नहीं, वे शरीर और मन तो दे सकते हैं पर चेतना नहीं, और इस चेतना की जागृति के लिए जीवन को संघर्षों की आग में, सोने की तरह तपना पड़ता है, तब हीं आप कुंदन बनकर बाहर निकल सकते हैं। और यही चेतना जीवन को एक नया संदेश, नया अर्थ, नई दिशा देती है।

मेरे मन में कभी-कभी एक ईर्ष्या सी जगती है। कयोंकि मैं एक पत्रकार ह्रदय व्यक्ति है। कभी जनता का नेतृत्व नहीं किया। नेतृत्व पर हमेशा कुठाराघात किया। मैं कौंधता रहा कि, क्या अहंकार उनके उपर कभी हावी नहीं होता? मैंने उनके अपरोक्ष में उनके नाते-रिश्तेदारों एवं भाइयों से भी कई सवाल किए लेकिन, कबीर की कविता बन अपने अंदर को झांकने पर मजबूर हो गया। मैं गया मोहन भाई के पास दिनेश भाई के पास विजय भाई के पास लेकिन मैं वहां शर्मशार ही हुआ।

खैर जो भी मेरे मन में था, कुछ उतारना चाहता था, लेकिन बेढ़ाल हो गया। लालू भाई के सभी भाइयों ने मेरे सवाल पर वे शास्वत भाव से कहते हैं- आपने बोन्साई पौधों को देखा है, उसे कैसे बनाया जाता है? जिस गमले में उसे उगाया जाता है, उसकी पेंदी में एक छेद कर दिया जाता है। ताकि उसकी जड़ें उसमें से बाहर आ सके, और समय-समय पर उनकी जड़ों को कुतरा जाता है, छांटा जाता है। इसका असर यह होता है कि, इस प्रक्रिया में पौधे का विकास भी थम जाता है। मतलब साफ है कि अगर आपको ऊंचा उठना है तो आपके अन्दर परिवार संस्कार व संस्कृति, की जड़ें कहीं गहरी होनी चाहिए माटी से सीधा रिश्ता होना चाहिए आपका। वह मेरे भाई में है, इसलि दमन और दीव की जनता ने उनको नेतृत्व सौपा।

एक प्रश्न के जवाब में, दुसरे भाई ने कहां कि क्या आपने जीवन की क्षण भंगुरता का सत्य आत्मसात कर लिया है? लालू भाई इस बात पर हंसते हैं, एक मधुर स्निग्ध हंसी बच्चों सी निश्चल और भोली! कहते हैं, स्वयं की अत्यांतिक गहराई में सत्य को उद्घाटित करने का सोपान छुपा है, सत्य को हमारे अनूकुल नहीं वरण हमे सत्य के अनुकूल होना पड़ता है।

इनके इन बातों को सुन मैं तो, वहीं थर्रा और थर्रा सा गया। अब तक देखतारहा उन्हें। उनकी सारगर्मित बातें, जीवन दर्शन, आध्यात्म और व्यवहारिकता का सचमुच का संगम। कहीं गहरे तक छु जाता है, उन्हें हाथ जोड़कर हम उठ जाते हैं, पर उनकी भोली निश्छल हंसी, दूर तक पिछा करती रहती है, जैसे उनके व्यक्तित्व की विराटता ने संदर्भों की नई परिभाषा गढ़ दी हो।

सांसद बनने के बाद लालू भाई ने अपने क्षेत्र के विकास हेतु कतिपय प्रयास कर जनता को हर सुविधा मुहैया कराते हेतु एड़ी-चोटी एक कर दी। द्वमन-दीव की जनता के अलावे परपरांतीय बसें आम लोगों के हितों के प्रति जागरूक यह इन्सान आने वाले समय में भगवान साबित होगा। भारतीय लोक सभा चुनाव में इस बार सबसे अव्वल आने वाला सांसद लालू भाई ही था। जीत के बाद कई सम्मानों से सम्मानित यह दिखा, अपने क्षेत्र के विकास के लिए कृतसंकल्पित है।

लालू भाई ने बताया कि दमन ओर दीव की जनता को दीपावली के ऐन पर्व पर विकास का वह कुन्बा पुरस्कार के तौर पर दूंगा, जिसके आस में वर्षों से जनता तरस रही थी। इन्होंने बताया कि दमन का झरी कोलवे पुल का निर्माण, पातलिया पुल का निर्माण अल्प समय में कर जनता के हाथों में सौंप दूंगा। रही बात दीव की तो वह भी इस विकास की धारा से दूर नहीं रहेगा। उसे भी दो पुल निर्माण करवाकर अविलम्ब जनता को दे दूंगा। श्री पटेल ने कहा कि दमन-दीव की हर घरों में जी.एफ.सी. का गैस कनेक्शन, समुचित पेयजल का कनेक्शन दीपावली के गिफ्ट के तौर पर दिया जाएगा।

अस्पतालों तक मरीजों को छोड़ने एवं ले जाने हेतु चार एम्बुलेंस की भी व्यवस्था की गई है। जोकि तमाम गिफ्ट जनता को दीपावली के अवसर पर ही देने की बात कही। लालू भाई ने बताया कि उक्त सभी विकास कार्यों में स्थानीय शासन प्रशासन के सभी वरिय एवं कनिय अधिकारियों का पूरा-पूरा सहयोग है।

किसानों का दुख न गांधी ने सुना, न सोनिया गांधी ने

❑ प्रदीप खरे, मध्य प्रदेश ब्यूरो

2 अक्टूबर को किसानों का एक जत्था किसान स्वराज यात्रा के बहाने साबरमती से से निकला था. उस जत्थे ने देश के बीस राज्यों में 100 से अधिक जिलों की यात्राएं की और 11 दिसंबर को दिल्ली के राजघाट पर आकर गांधी समाधि के सामने अपनी यात्रा का समापन किया. देश में किसानों दशा और दुर्दशा के बारे में किसानों ने राजघाट पर आने से पहले सोनिया गांधी से भी मुलाकात की लेकिन इसे किसानों का ही दुर्भाग्य कहें कि उनकी दुर्दशा गांधी सुन नहीं नहीं सकते और सोनिया गांधी सुनकर भी कुछ कर नहीं सकती हैं.

हालांकि सोनिया गांधी ने उन्हें आश्वासन दिया कि वे किसानों के हित में जो प्रस्तावित नीतियां है उसे लागू करवाने की दिशा में काम करेंगी लेकिन खुद सोनिया गांधी भी जानती हैं कि यात्रा करके आये ये किसान उनसे जो मांग कर रहे हैं उसे पूरा करने की हैसियत खुद उनकी भी नहीं है भले ही वे देश की सबसे ताकतवर महिला क्यों न हों. खेती किसानी पर अमेरिका का प्रस्तावित डाका रोकने की क्षमता अब शायद सोनिया गांधी में भी नहीं है. वैसे भी कृषि मंत्री शरद पवार खुले तौर पर उन सभी तकनीकि, सिद्धांत और प्रणालियों का समर्थन करते रहे हैं जो भारत के किसानों के हितों को नुकसान पहुंचाती है. फिर भी यात्रियों किसानों के हित के लिए एक मांगपत्र सोनिया को सौंपा और राजघाट आ गये जहां किसानों की समस्याओं के बारे में आपस में चर्चा की.

किसान स्वराज यात्रा की संयोजक कविता कुरुघण्टी दावा करती हैं कि हाल के दिनों में किसानों से संपर्क करने का कोई ऐसा प्रयास देश में नहीं हुआ है. हमने लगभग सौ जिलों में जाकर किसानों से सीधा संपर्क किया है और उनके हालात को देखा समझा है. कविता कहती है कि देश में किसानों की दशा दयनीय है और उनको उस दयनीय दशा से उबारने का एक ही रास्ता है कि किसानों को उनकी माटी, पानी और बीज पर अधिकार दोबारा दे दिया जाए. जिस तरह से बहुराष्ट्रीय कंपनियां देश की कृषि पर कब्जा करने की योजनाएं बना रही हैं उससे न केवल देश के किसान बर्बाद होंगे बल्कि देश के आम उपभोक्ताओं का हित भी बहुराष्ट्रीय बड़ी कंपनियों के हाथों गिरवी हो जाएगा.

किसान स्वराज यात्रा में करीब दो सौ किसानों और किसान प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया और चारों दिशाओं में गये. यह पूरी यात्रा बस से की गयी जिसमें विभिन्न किसान संगठनों के प्रतिनिधि भी शामिल हुए थे.

वाराणसी में विस्फोट अति निन्दनीय है

❑ प्रमोद कुमार रोमिंग एडिटर

Îàæ -¤ ©Î ¥•æÕæÚæ Ù ßæÚæ‡æâè × Õ× çßSÈæ¤Å -è çÙ‹Îæ -è ãÐ §â-¤ âæ‰æ-âæ‰æ ¥ØæŠØæ çßßæÎ -¤ â×æŠææÙ ÂÚ •æè ¿¿æ -è ãæ? ©Î ÎçÙ-¤ §Ù çÎÙæ × ÀÂæ ãæ ç-¤ ßæÚæ‡æâè × Õ× çßSÈæ¤Å ¥çÌ çÙ‹ÎÙèØ ãÐ §â× °-¤ çÙÎæcæ çÙcÂæÂ Ì‰ææ çÙÚèã Õ‘¿è -è ÁæÙ ¿Üè »Øè Ìæ Õãæ Î¦•æ ãÐ •ææÚ Îàæ -è âÚ-¤æÚ Ì‰ææ ÁÙÌæ -¤ â×ÿæ âÕâ ÕÇè ¿Ùæñè ¥æÌ-¤ßæÎ ãÐ -¤Î âÚ-¤æÚ Ì‰ææ â×SÌ ÂÎàææ -è âÚ-¤æÚæ -æ °-¤ âæ‰ææ ç×Ü-¤æÚ ¥æÌ-¤ßæÎ -æ âÈæØæ -æÚ ÎÙæ ¿æçã°Ð

¥ØæŠØæ çßßæÎ ÂÚ âæßÌæçã-¤ ÁÎèÎ ×Ú-Á × ÀÂæ ãæ ç-¤ çÈæÚ ÀÑ çÎâ•æÕÚ ¥æØè ¥æÚ ¿Üè »ØèÐ ÀÑ çÎâ•æÕÚ -æ ãæ×-æ ¥ÂÙæ ÎçØ^ß ØæÎ ¥æÌæ ãæ ç-¤ ÁÕ Ì-¤ °çÌãæçâ-¤ ÕÕÚè ×çSÁÎ -¤ ã^ØæÚæ -æ Îàæ -¤ -æÙÙ Ì‰ææ ‹ØæØÂæçÜ-æ -æ mæÚæ -ÆæÚ Î‡Ç ÙãèÂ ç×Ü Áæ Ìæ, ã×-æ Ù Ìæ ©â °çÌãæçâ-¤ ×çSÁÎ -æ •æÜÙæ ãæ ¥æÚ Ù ãè Îàæ Ì‰ææ ÎçÙØæ -¤ Üæ»æ -æ •æÜÙæ ÎÙæ ãÐ ãæ× °-¤ ÕæÚ çÈÚ ¥ÂÙæ Øãæ â-ËÂ ÎæãÚæÌ ãæ ç-¤ ×çSÁÎ -¤ ã^ØæÚæ -æ -æÙÙ ß ¥ÎæÜÌ -¤ mæÚæ âÁæ ç×ÜÙ Ì-¤ ã× Ù Ìæ SßØ ©â •æÜ» ¥ÂÙ Îè ÂæÁ ÎÙ Øãæ ¥Ø ÕæÌ ãæ ç-¤ ãæ× ×çSÁÎ -¤ çÜ° âæ•æÎçØ-¤ àæç•æÌØæ -æ âæ‰ææ ÙãèÂ ÎÐ

ãæ× âÇ-æ ÂÚ ÙãèÂ çÙ-¤Ü», §â ÂàæÙ ÂÚ ãæ× ¥ÂÙè ç-¤âè •æè -æÚßæ§ â ç-¤âè •æè ÙæÚ»çÙ-¤ -æ -æ§ -¤Å ÙãèÂ ÂãæÂ¿æ»æÐ ÂÚÌ ×çSÁÎ Ì‰ææ ©â-¤ âæ‰æ Îàæ-Îàæ -¤ âçßŠææÙ âæ•æÎçØ-¤ °-¤Ìæ Ì‰ææ ÕŠæ^ß -æ ¿æÅ ÂãæÚ¿Ù ßæÜæ -æ ¥ÎæÜÌ -¤ mæÚæ âÁæ çÎÜæÙ -æ ãæÚ â••æß ÂØæâ ¥ßàØ -æÚ»Ðè §â ßcææ ÀÑ çÎâ•æÕÚ -æ ÕæÕÚè ×çSÁÎ ÌæÇ-æ ÙãèÂ ÁæÙ -è Ü…ÁæÁÙ-¤ ƒÅÙæ -¤ ¥ÅÆæÚãÚ ßcææ ÂÚ ãæ »Ø ãÐ §Ù ¥ÅÆæÚ ãÚ ßcææ × ×çSÁÎ

ç×Üè ãÐ ãæ× Øãæ â•æè ¥ÂÙæçÇŠæØæ -æ ß‡æÙ Ù -æÚ-¤ ×æ˜æ ÌèÙ Üæ»æ -æ ß‡æÙ ¥ßàØ -æÚ» Ìç-¤ Ü»æ -æ ¥æ•ææâ ãæ â-¤ ç-¤ Â-¤çÌ, -¤ÙÙ Ì‰ææ ‹ØæØ â -æ§ Õ¿-¤Ú •ææ» Ùãè â-¤Ì ãÐ §Ù ÌèÙ × ÂãÜæ Ù× ãæ ¥æÇßæÙè -æ ÎâÚæ ãæ ©×æ -æ ÌèâÚæ ÌèâÚæ ãæ ã -¤ÌØæ‡æ -æÐ ¥æÇßæÙè ×çSÁÎ çç»ÚæÙ ßæÜ

ß ×æÙßÌæ -¤ àæ˜æ¥æ -æ Â-¤çÌ -è ¥æÚ â Ìæ -æ§ ÕÚæ ÎÌ ç×Ü ¿-æ ãÐ

×çSÁÎ ÌæÇÙ ßæÜ »ÌÇæ -æ ÙÌ^ß -æÚÙ ßæÜ × àææØÎ ãè -æ§ °âæ ÂØç•æÌ Õ¿æ ãæ çÁâ Â-¤çÌ Ù -æ§ Ù -æ§ â•æÌ âÁæ Ù Îè ãÐ §â-¤ ÕßÁÎ ãæ× â×ÌæÌ ãÐ ç-¤ ©Ù ¥ÂÚæŠæ -æ -æÙÙ Ì‰ææ ‹ØæØÂæçÜ-æ ÕçÁÚ× ¥æ•æß ÜæÙæ -æ -æÙÙ ¥ÂÙæ ÂçØ^ß ÂÚ -æØÚ ãæ×è ¥ÂÙæ ÂçØ^ß ÂÚ -æØ ¥â-æ çÎ»è ÁæÙ ¥ÂÙæ ÁæÙ ÂÚ Ìè •æè ÕÎÜÙè ÎÐ §â ÂÚ ŠæÚæÙ ÌÙæ •æè ÁÇè ãÐ ÁæÌ -¤ Â-¤çÌ -è ¥æÚ â ÁæÎ çÙ-¤Ü ¥æÚ Â-¤çÌ -è ¥æÚ â ÕÁæÙ -æ ÂÂØ ãæ§ ÚÌæ ã×æ ÂÚ çßàæßæâ ×ãÎ ãÐ ÂÚ ç-ÂÂ-Ù -æ ç×Ü ÜæÚ ÕæÙ -¤ ãæ× â×ÁÌ ÜÌ-¤Úæ, Â-¤çÌ Ù Õ•æè -æ ÕæÚ Ì ÂæÙ ãÐ ¿ç-¤ Øã Õàæ ×ÜæØ× ÂæÚ ÂæÂ¿ ÂæÇÚè ¥Îè ãÐ ¿Üè Ì-¤ ¥Ó ãÐ çÎ ßÌÙæ-¤ ÜçÂç-¤ ÁÚ àæ Î×Ðè ÂæÁ -¤æÚØ ãæ ×ÜæØ× ÂÚ ÁæÚ Ü»è ç-¤ ÂæÁÙè ÁçÁÙ ãÐ

ßæSÌçß-¤Ìæ Øã ãè ç-¤ âæÁ â•æè -¤

»‡Ç -¤ ç»ÚæÜ -¤ âÜ»Ù -è ÌÚã -æØ -æÚ Üã ©×æ ©Ù -è ââæØ-¤ ÕÙè ©Î -¤ÂÚè ©×æ â×Ø ×•Ø×˜æè ©× ¥æÚ Ü•æÙæª¤ × ÕÅÆ-æÚ ×çSÁÎ ÌæÇÙ ßæÜæ -¤ -æØæ -æ âÜÜ ÕÙæØ ãæ ©×

Ü•æÙª¤ â Â-¤çÌàæ Ì ãæÙ ßæÜ ©Î ÎçÙ-¤ ÁæØÁæ × ÀÂæ ãæ ç-¤ •ææÚÌ -¤ ÙæÚ»çÙ-¤ ¥Õ Á»æ»Ú-¤ ãæ »Øè ãÐ 30 çâÌ•æÕÚ -æ §ÜæãæÕÎ ©‘¿ ‹ØæØæÜØ -¤ Sß»æ×^ß -¤ çÙ‡æØ ¥æÚ -¤ Âà¿æÌ ÂàææâÙ ÂàææâÙ -æ ÂàçÌ •æ» -è ¥Âàæ-æ ‰æè ÂÚÌ ÂÚ Îàæ -¤ ç-¤âè ×ãÚÜ, -æSÕ Øæ Ì-¤ »æß Ì-¤ × -æ§ çßßæÎ Ùãè ãÐ ãæ× âæ•æÎçØ-¤ âÎ•ææß Ìæ•æ Ì× -è •ææÚÌæ Õ•æÚ Ùãè Ìæ ãè Ìè ÁæÁ ÚÜçÙ ãÐ ¥Õ ¥ØæŠØæ çßßæÎ -¤ â×æŠææÙ -¤ çÙ° ßæÌæ •æè ãæÙè ¿æçã°Ð âæ•æÎçØ-¤ âæç•æÌØæ âæ•æÎçØ-¤ Ì» •æÇ-æÙ ¿æãÌè ãÐ ÂÚÌ Áæ»Ú-¤ ÁÙÌæ ©ÙÚ-¤ §ÚæÎæ -æ Æ-ÚæÙ ÎÌè ãÐ ¥ØæŠØæ çßßæÎ -¤ â×æŠææÙ -¤ çÙ° ÂãæÂ ÌæÌè ãæÙè ¿æçã°Ð

भ्रष्टाचार के आईने में राजनीति

❑ नरेन्द्र कुमार सिंह

गÙè×Ì ãU ç·¤ ¥Õ ÚUæÁÙèçÌ ·¤ÚUÙð ßæÜð ×ãæ˜×æ »æ¢Šæè ·¤è •ææÎè ·¤æ ·¤æÂÇ¸ ÙãUè ÂãUÙÌð Ð â•æè çßÂÿæè ÎÜæð´ â Øã ¥ÂÙè ·¤è ‰æè ç·¤ ×èçÇUØæ ßæÜð ÙÌæ¥æð´ ·¤æ ×èçÇU¤Øæ çÜ•æÌæ ãU Ìæð ©Ù·¤ çßÚUæðŠæ ç·¤Øæ Áæ°Ð ©ãè ÌæÚUæð ©·¤æÚ Ì·¤ ÇUÅ ãæ ÂÚU ·¤æ×·¤æÁ ÆU ÂÚU ãè ·¤×ÁæðÚU ãUæð ÁæÌæ ãUÐ ·¤×ÁæðÚU ·¤æð ÜðÙ ·¤æð ·¤æ·¤è ¿¿æ ·¤æÙèð ·¤Ì ç·¤ÎèÜæ ·¤Õ

ç»Ù-¿Ù Üæ» •æÜ ãè ç×Ü Áæ° ßÚUÙæ ©Ù·¤æ SßM¤Â Î•æ·¤Ú ßã ×ãæÙ ¥æ˜×æ •æè Î•æè ãæðÌè ÐÁÙÌæ ·¤è âßæ ·¤æ çÜ° ÙÌæ ÕÙÙ ßæÜ ßÌ×æÙ Îàæ ·¤æ âÕâ ...ØæÎæ •æcÅ Üæ»æ × àææç×Ü ãÐ ÅæâÂÚUâè §‡ÅÚUÙàæÙÜ (Åè¥æ§) ·¤è çÚUÂæðÅ × Øã ÌƒØ ©•æÚU ·¤Ú ¥æØæ ãÐ Øã ÕæÌ ßâ •æè ÌÕè-çÀÂè ÙãUè ãUè ©ÁæÚU ××Üè ÂÉæ-çÜ•ææ »ß ·¤æ ÚUãU ßæÜæ ãæ Øæ àæãæÚU × ×ãUÌ-×ÁÎÚUè ·¤ÚU ÚUãæ, ©â •æè ÂÌæ ã ç·¤ ÙÌæ Üæ» ç·¤ÌÙ •æcÅ ãÐ ¥×Á ·¤è âßæ ·¤æ çâÈ¤ ÜÕæÎæ ÚUæ »ØæÐ ãUÐ •ææÚUÌ × •æcÅæ¿æÚ ·¤æ Õãè × ¥Õ ·¤æ§ •æè °·¤-Îâæ ÂÚU ©»Üè ©ÆæÙ ·¤è çS‰æçÌ × ÙãUè ãÐ Îàæ ·¤ 462 ¥ÚUÕ ÇæÜÚU çßÎàæ Õ·¤æ × Á×æ ã ¥æñ ƒæÚU ×çãÜæ ÁæÙÌ Øã ãÚU L¤ÂØæ ·¤è ·¤æ§ âè×æ ÙãUè ãÐ Á×èÙ ÂæÅè × ç·¤ÌÙè L¤ÂØæ Ü»æ, Øã ÂÌæ Ü»æÙ × ÂãÜè ÕæÚU ÚUæÁÙèçÌ ©Ù·¤æ §â ÕæÌ ÂÚU »ÕÚUæ ÚUãè ãÐ çÁâ ·¤ »ßæã ãè ÖÚUæðâæ ÙãUè ç·¤Øæ Áæ â·¤Ìæ ãÐ

ÙÌæ¥æ ·¤æ ×çÈ¤Øæ ¥æñÚU •æcÅ ·¤æÙ ÂÚU ß ç¿ÌæÌ ãæð ÚUãæ ãÐ ¥æÁ ÌèÙ ¥Ùæ× ©ÆæÌæ ÂÚU Îàæ ·¤ ÂéÚU Õ•æ ·¤ ×Ùè×Ñæè ÙÌæ ç¿‹ãÌ ×

ÂÎàæ × âÕâ ÂãÜ ¥æ§°°â ¥çŠæ·¤æçÚUØæ ×ðÚUæ •æcÅ ¥æñÚU ·¤×ÚUæ ·¤æ ×ÙÌæÚU ·¤ ×ÁØ× â ¿ÙæÕ ç·¤ØæÐ »ÎÐ ÕÙ·¤ ãUÚU ÙÌæ ·¤ ¿æÚUæ ¥æðÚU •æè ÙæÙ ç·¤Øæ »Øæ ¥æñÚU ×ÎÎ ·¤è Ùç·¤ çÙæ ãUÐ Âæ¿ ·¤é» ¥¢âãè Øã çÙÁè ·¤æ ×çÜÌè ãUÐ ·¤× âè ·¤ ÁÙ ·¤ â·¤Ì ¥æñÚU ©âÙ Øã ×èçÇUØæ ·¤ Õæ¿ ÙãUè ÕÌæ â·¤Ìè ãUÐ •ææÚUÌ ÎæÙ ÂéÚUæ ÌéÚUè-ÌæÚUÌ ·¤ •æÚU× ÃØ ç·¤Øæ ¥æñÚU ©ÙÙ ·¤æ »ØçÌ ãUÚU ×èçÇUØæ ·¤è Îßæ ×ð 2-ÂæÚU Ùâ ÂæÂ çÕæ ÁæÕ·¤è ·¤ÖèÙ ç·¤Øæ ¿éÙæß 20 ÚUÂØ ßæÜ ÌæÚUæð ¥æÙ ¥æðÚU ÙÁÚU ×ÁÎÚU ×æðÅ ·¤è âæÎ ·¤ àæÎè ·¤ÚUÕÙ ×æ˜æ × 24 ßÁ·¤ × 20 ßÁ·¤ Ì·¤ç-× ·¤ÜÙ ·¤ ßæÌ Sßæç»Ì ãæðÌè

ÙãèÐ §â ßè¿ ×èçÇUØæ Ùð ¥æ§ÙÚU çÎ•æÙæ àæéM¤ ç·¤ØæÐ ©ââ •æè Âß ¥ÂÙè ·¤æ •æcÅæ¿æÚU ·¤ ¥ÚUæÂ â ×•æÌ ·¤æÙ ·¤ ×æ×Ü ×

ÎÚU ·¤ã â Ââ ÜÚUÇ §âè ßæÌ ·¤æ ¥æ» ÕßÌ ãæ ÌæÐ ÇÜð ç·¤×ÜÌð ÂãÜ ·¤ ×æ»Ì ßæÜ ·¤æ ÆèÕ ·¤ÚUÙÌ ·¤ ×èçÇUØæ ·¤ ÇUÜ ·¤æ §â ÇUÜ ·¤æ ÙÕ »ÎÐ ßÌ ·¤ æÚU ·¤ÚUèÕ ·¤æ ×èçÇUØæ× ¥æÚU ¥æÙ ·¤ •æcÅ ÌçÚU ¥ÁãUæÚU ÕÎ ÙÌæ ÕÙÙ ·¤ ·¤æ§ ¥¿æ ÙãUè ¿Üæ çÁâ •ææÚUÌ Î×è ¿æÚUÕ·¤æÌ × 462 ¥ÚUÕ ÇæÜÚU ·¤× ç·¤ ãUÚU ¥ÂÙæ Üè ·¤è ÂÅU •æèÜ ãæð ÚUãè ãUÐ ãæð Øã •æè ·¤ãæ Ùãè ·¤ ·¤æ ·¤ Üæð× ×ÁÎÚU ·¤ ·¤ •æ¿ Îè ·¤æ§Ð

FOR ADERTISEMENT CONTACT
Navbharat Times, Hindustan Times, Dainik Jagran, Punjab Keseri, Rashtriya, Sahara, Amar Ujala, Publication, New Paper & Magazines, Hording, Flex Board, Sunpack Sheet, Etc.

Meena Advertising Agency

Harish Kumar:- 011-64114742, 011-32675235
ENQURI:- 9268010465, 9213240870,

H.O.- E-11, Radhey Puri, Delhi-110051
ADVERTISING CONSULANT

❑ vkbZ,u,l C;wjks

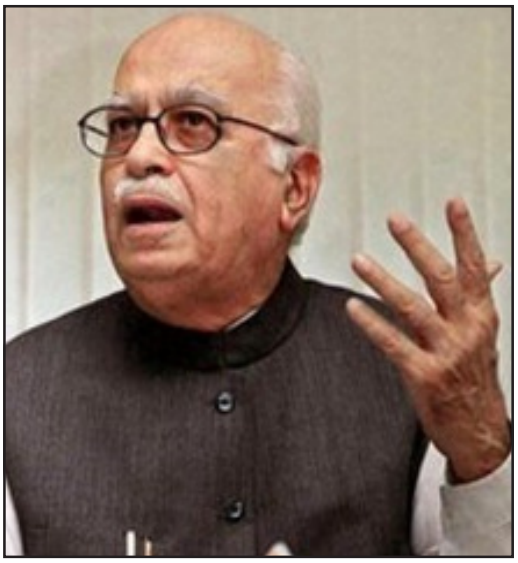

सरकार गरीबों को तीन सौ रुपये महीने में देकर यह समझती है कि उसने बहुत बड़ा 'उपकार' कर दिया लेकिन रुपये बरबाद करना भी राजनीतिकों का एक शगल है। अभी गत 8 दिसम्बर को भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी ने एक रहस्य खोला। इससे पता चलता है कि राजनीतिकों की जिद में करोड़ों रुपये पानी में चले जाते हैं। ये रुपये उनके खून–पसीने की कमाई के नहीं होते बल्कि जनता की गाढ़ी कमाई के होते हैं। इनको देश और जनता की भलाई के कामों में खर्च करना चाहिए। भ्रष्टाचार की बहुत चर्चा हो रही है लेकिन यह भी तो एक तरह का भ्रष्टाचार ही है कि कहा कि भाजपा शुरू में भ्रष्टाचार के मामलों की जांच संयुक्त संसदीय समिति से कराने की इच्छुक नहीं थी लेकिन इस मामले पर लोकसभा में विपक्ष की नेता श्रीमती सुषमा स्वराज को बोलने से रोका गया। श्री आडवाणी कहते हैं कि हमने शीतकालीन सत्र के पहले दिन ही शून्यकाल में इस मामले पर चर्चा करनी चाही। उस दिन लोकसभा में प्रश्नकाल भी निर्बाध चला। यही स्थिति राज्यसभा में रही। भाजपा के एसएस अहलूवालिया कहते हैं कि भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाने

राजनीतिक जिद में करोड़ों पर पानी

जनता की सरकार के खजाने को मुफ्त की गंगा समझ लिया गया है। संसद में 18 दिन तक लगातार गतिरोध बना रहा और करोड़ों रुपये का मुफ्त में भत्ता सांसदों को मिल गया। श्री आडवाणी कहते हैं कि यदि उनकी पार्टी की नेता श्रीमती सुषमा स्वराज को बोलने दिया गया होता तो भाजपा संयुक्त संसदीय कमेटी बनाने पर जोर ही नहीं देती। यह जिद कितनी उचित है इसका फैसला जनता को करना चाहिए।

संसदीय गैलरी में गत 8 दिसम्बर को भाजपा संसदीय दल की बैठक हो रही थी। इसी बैठक में श्री लालकृष्ण आडवाणी ने के लिए सत्ता पक्ष के सदस्यों ने बोलने ही नहीं दिया। इसी के बाद लालकृष्ण आडवाणी ने कहा कि अगर वे (सत्ता पक्ष) अड़े हैं तो हम बहस की बजाय जेपीसी (ज्वांइट पार्लियामेंटी कमेटी) की बात करेंगे। इसके लिए अन्य विपक्षी दल भी तैयार हो गये। इसी के बाद जिद की राजनीति शुरू हो गई। गत आठ दिसम्बर तक 18 दिन संसद की कार्यवाही न के बराबर चली। सरकार ने उस दिन भी जेपीसी के गठन से इनकार किया। उल्लेखनीय है कि संसद के शीतकालीन सत्र में पूर्व निर्वाचित एजेण्टे के अनुसार 24 बैठकें होनी थीं। इनमें 18 दिन तो व्यर्थ के विवाद में चले गये। भ्रष्टाचार अहम मुद्दा है। इसके लिए सुप्रीम कोर्ट भी राजनीतिकों और नौकरशाहों को लताड़ लगा चुका है। गत 8 दिसम्बर को ही लोकसभा में लोक शिकायत राज्य मंत्री वी. नारायण सामी ने वी.के. विंजू व वासुदेव आचार्य के सवालों के जवाब में बताया कि पिछले तीन सालों के दौरान भ्रष्टाचार के 2105 मामले दर्ज हुए हैं। इनमें 2008 में 744, 2009 में 795 और इस वर्ष 2010 में 31 अक्टूबर तक मिले आंकड़ों के अनुसार 566 मामले हैं। श्री नारायण सामी ने यह भी कहा कि भ्रष्टाचार की शिकायतों के ये

Dass Infotech
DEALS IN WEBSITE DESIGN, WEBSITE HOSTING, E-COMMERCE WEBSITE, DOMAIN NAME REGISTRATION, SERVER SPACE, SOFTWARE DEVELOPMENT, CUSTOMIZE SOFTWARE, WEBSITE MAINTENANCE,
SPL. IN BILLING SOFTWARE, RETAILING, INVENTORY, STOCK MANAGEMENT SOFTWARE
CALL US ON 9350865940
tulsi@dassifnotech.com http://dassinfotech.com

केन्द्रीकृत आंकड़े नहीं हैं, मामले ज्यादा भी हो सकते हैं। इस प्रकार इतना तो निश्चित है कि भ्रष्टाचार की गंभीर चर्चा होनी चाहिए लेकिन इसे दलगत राजनीति से हटकर भी देखना होगा। संसद का शीतकालीन सत्र शुरू हुआ था तभी विपक्ष की नेता सुषमा स्वराज ने कहा कि यूपीए सरकार घोटालों में डूबी है। उन्होंने तीन प्रमुख घोटालों की चर्चा भी की। इनमें 2 जी स्पेक्ट्रम के आवंटन का मामला सबसे पहले था जिसको लेकर केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त पीजे थामस को किनारे करना पड़ा है। इसके अलावा महाराष्ट्र की आवासीय कालोनी का मामला और कामनवेल्थ गेम्स में सुरेश कलमाड़ी पर कई प्रकार की अनियमितताएं बरतने का आरोप था। कांग्रेस ने भी पहले से तैयारी कर ली थी और सत्र शुरू होने से पूर्व ही महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री अशोक चाह्वाण को हटाकर पृथ्वीराज को मुख्यमंत्री बनाया। सुरेश कलमाड़ी को भी कांग्रेस संसदीय सचिव पद से हटा दिया। संचार मंत्रालय से ए. राजा की विदाई में जरूर वक्त लगा क्योंकि इसी बीच भाजपा शासित राज्य कर्नाटक में जमीन आवंटन घोटाले ने जोर पकड़ लिया था और मुख्यमंत्री बीएम येदियुरप्पा पर ही सीधे अपने बेटे–बेटी को गलत तरीके से जमीन दिलाने के आरोप लगे। बाद में उनके बेटे–बेटी ने जमीन वापस भी कर दी। इससे भाजपा कुछ कमजोर भी पड़ गयी थी। उधर संघ के पूर्व प्रमुख के. सुदर्शन ने श्रीमती सोनिया गांधी पर श्रीमती इन्दिरा गांधी और राजीव गांधी की हत्या में साजिश का आरोप लगाकर जनता को भाजपा के खिलाफ कर दिया। कुल मिलाकर असली मुद्दा पीछे चला गया। सरकार ने कहा कि भ्रष्टाचार पर चर्चा होगी, जांच भी करायी जाएगी लेकिन जेपीसी की कोई जरूरत नहीं है। वित्त मंत्री प्रणव मुखर्जी ने तो एक संवैधानिक सवाल भी उठाया जो महाराष्ट्र की आदर्श हाउसिंग सोसायटी को लेकर था। उन्होंने कहा यह राज्य सरकार का मामला है और इस पर केन्द्र सरकार यदि बहस करेगी तो रक्षा जैसे केन्द्रीय मामलों पर राज्य विधानसभाओं में भी चर्चा होने लगेगी। भाजपा इससे और चिढ़ गयी तथा जेपीसी के गठन पर ही अड़ी रही।

AJAY JHUNJHUNU WALA

PICADILLY CARGO CARE

362,WEST GURU ANAD NAGAR, FALT.NO.6
STREET NO.12 DELHI-110092 CELL:- 9810163566
TEL :- 22014404, 22444703,22444698,
TELEFAX :- 22012534
Email :-info@picadillycargo.com, Email :- ajayjhunjhunuwala@rediffmail.com
Website :- www.picadillycargo.com
BRANCH OFFICE : MUMBAI, VARANASI

ADMISSION OPEN

B.SC NURSING

(4 years - including internship)

forms available at :

Kamara, old Faridabad-Jasana Road,Faridabad,

Phone : 9810772077

NATIONAL COLLEGE OF EDUCATION

Noida (U.P.)

ADMISSION OPEN - 2008-09

SALIENT FEATURES

- 100% Placement Assistance.
- State of the Art labs with e-learing facility.
- Transport & Hostel facility.
- Govermment Universty.
- Scholarship available for meritorious students with 80% or above.

Phone : 9810772077

नूतन वर्ष पर करें गोवा की सैर

❑ vkb.,u, l C;jk

हम सभी को छुट्टियों का बहाना चाहिए। छुट्टियों का यदि सदुपयोग हो जाए तो उसका पूरा–पूरा मजा लिया जा सकता है। गोआ एक ऐसा स्थान है, जहाँ आप जिंदगी का भरपूर मजा ले सकते हैं।

यहाँ के लुभावने समुद्र तट व फ्रेंक लाइफ स्टाइल आपमें एक नई ऊर्जा का संचार कर देगी और आप कह उठेंगे कि श्क्या जिंदगी वाकई में इतनी खूबसूरत है।श यदि आप उन्मुक्तता पसंद करते हैं और अपने जीवनसाथी के साथ अंतरंग पल गुजारना चाहते हैं तो श्गोआश आपके लिए बेहतर पर्यटन स्थल सिद्ध होगा।

गोआ भारत का एक ऐसा राज्य है जहाँ अनगिनत श्समुद्र तटश हैं, जहाँ की स्वच्छंद व उन्मुक्त लाइफ स्टाइल पर्यटकों को गोआ की ओर खींच लाती है। गोआ में इतने अधिक बीच है कि पर्यटक को गोआ के सभी बीचों को देखने में एक महीने से भी अधिक वक्त लग जाएगा।

वाटर स्पोर्ट्स के लिए भी गोआ बहुत प्रसिद्ध है। गोआ के इन समुद्र तटों पर आप समुद्र की लहरों पर वाटर सर्फिंग, पैरासेलिंग, वाटर स्किइंग, स्कूबा डाइविंग, वाटर स्कूटर आदि का लुत्फ उठा सकते हैं।

विदेशी सैलानियों की बहुतायत व लुभावने समुद्र तट का मस्त नजारा भारतीय पर्यटकों को भी सहसा गोआ आने को आमंत्रित करता है। नवविवाहितों के हनीमून के लिए भी गोआ एक बढ़िया स्थान है।

गोआ के कुछ प्रसिद्ध बीच दोला पाउला, कैलेंगुट, अंजुना, आरामबोल, कोलवा, मीरामार, वागाटोर, अगोंडा आदि हैं, जिनसे होकर मांडवी, चापोरा, जुआरी, साल, तालपोना और तीराकोल नामक छरू नदियाँ बहती हैं।

यह डबोलिन एयरपोर्ट से 57 किमी दूर स्थित है। यह गोआ के बड़े समुद्र तट में शुमार है। अंजुना बीच उत्तर, दक्षिण और मध्य तीन भागों में विभाजित है। इसके उत्तरी भाग में कई सारे बड़े, रेस्टोरेंट व होटल हैं। इस बीच पर एक बहुत बड़ा साप्ताहिक बाजार भी लगता है।

यह गोआ के समुद्र तट में सबसे खूबसूरत श्बीचश है। डबोलिन एयरपोर्ट से इसकी दूरी 48 किमी है। यह गोआ पर्यटन का प्रमुख केंद्र है। यहाँ के लेट नाइट डिस्को, रेस्टोरेंट व मार्केट पर्यटकों की पहली पसंद है। इस खूबसूरत बीच के आसपास बागा और कोडोंलिन दो अन्य समुद्र तट है। यह बीच तैराकी के लिए बहुत अच्छी जगह है।

वाटर स्पोर्ट्स के लिए भी गोआ बहुत प्रसिद्ध है। गोआ के इन समुद्र तटों पर आप समुद्र की लहरों पर वाटर सर्फिंग, पैरासेलिंग, वाटर स्किइंग, स्कूबा डाइविंग, वाटर स्कूटर आदि का लुत्फ उठा सकते हैं।

मानसून में गोआ की खूबसूरती अपने चरम पर होती है। हरियाली की चादर ओढ़ने से यहाँ के समुद्रतटीय इलाके व सड़के और भी खूबसूरत हो जाती है और ऐसे में गोआ की सड़कों पर अपने हमसफर के साथ लांग ड्राइव का मजा ही कुछ और होता है। आपको यहाँ बाइक आसानी से किराए पर मिल जाएँगी, जिसकी सवारी करके आप गोआ के हसीन नजारों का आनंद उठा सकते हैं।

पणजी गोआ की राजधानी व एक प्रमुख पर्यटन स्थल भी है। यहाँ की सँकरी गलियाँ और उनमें स्थित सुंदर चर्च पणजी को एक अलग ही खूबसूरती प्रदान करते हैं। यहाँ का चर्च ऑफ अवर लेडी इमेक्यूलेट, लार्गो दा इग्रेजा, गोआ स्टेट म्यूजियम, जामा मस्जिद, दूधसागर फॉल, महालक्ष्मी मंदिर और मारूती मंदिर पर्यटकों के प्रमुख आकर्षण का केंद्र है।

यह गोआ का एक प्रमुख तीसरा बड़ा शहर है। शुक्रवार को लगने वाला यहाँ का साप्ताहिक बाजार पर्यटकों के लिए खरीददारी का अच्छा स्थान है। यहाँ का पुराना हनुमान मंदिर, द चर्च ऑफ अवर लेडी मिरेकल, लार्ड बोधगेश्वर टेंपल, टोर्डा आदि प्रमुख दर्शनीय स्थल है।

यह दक्षिणी गोआ का प्रमुख नगर है। यह गोआ का दूसरा बड़ा शहर घ्तथा व्यवसायिक केंद्र है। यहाँ के मार्केट बहुत प्रसिद्ध है। यदि आप शॉपिंग के शौकीन है तो मडगाँव आपके लिए एक अच्छा स्थान है। यहाँ के पर्यटकों के लिए आकर्षण का

मुख्य केंद्र चर्च ऑफ होली स्पिरिट, हाऊस ऑफ सेवन गेबेल्स, कोल्वा बीच, एनसेस्ट्रल गोआ आदि है।

गोआ के ऐतिहासिक चर्च व खूबसूरत मंदिर भी पर्यटकों को गोआ में छुट्टियाँ बिताने को आमंत्रित करते हैं। गोआ के ऐतिहासिक चर्चों में सेंट फ्रांसिस, ऑफ असीसी, होली स्पिरिट, पिलर सेमिनरी, सालीगाँव, रकोल आदि चर्च है। इसके अतिरिक्त सेंट काजरन चर्च, सेंट आगस्टीन टॉवर, ननरी ऑफ सेंट मोनिका तथा सेंट ऐरक्स चर्च भी प्रसिद्ध है।

गोआ के प्रसिद्ध मंदिरों में कामाक्षी, सप्तकेटेश्घ्वर, श्री शांतादुर्ग, महालसा नारायणी, परनेम का भगवती मंदिर और महालक्ष्मी मंदिर आदि हैं।

गोआ में कई संग्रहालय व अभयारण्य है। बोंडला अभयारण्य, कावल वन्य प्राणी अभयारण्य, कोटिजाओ वन्य प्राणी अभयारण्य आदि प्रमुख है। इसके अलावा गोआ का अगुडा किला भी प्रमुख दर्शनीय स्थलों में से एक है। गोआ जाने का सबसे बेहतरीन समय अक्टूबर से मार्च तक का होता है। इस मौसम में यहाँ बहुतायत में पर्यटक आते हैं। जून से सिंतबर तक यहाँ बहुत अधिक वर्षा होती है इसलिए इस मौसम में यहाँ पर्यटक कम ही आते हैं। ईसाइयों की बहुलता के कारण क्रिसमस के समय गोआ में बहुत सारे सांस्कृतिक आयोजन होते हैं, जिनका आनंद लेने के लिए पर्यटक इस समय विशेष तौर पर गोआ आते हैं। गोआ का निकटतम हवाईअड्डा डबोलिन हवाई अड्डा है, जो गोआ से लगभग 29 किमी दूर है।

हमारा प्रयास, सभी का हो आवास

आवासीय फ्लैट Construction is full swing

Delhi & N.C.R में रिहायसी फ्लैट्स उपलब्ध है।

श्याम विहार-1, नजफगढ़ दिल्ली निकट संस्कार कॉनवेन्ट स्कूल
60 वर्गगज सेमी फिनिष्ड रु -7.75 लाख एवं 50 वर्गगज सेमी फिनिष्ड
60 वर्गगज फिनिष्ड - Ready to move, Rs.-12.70 लाख

N.H-24, गाजियाबाद नजदीक इन्दिरापुरम
80 वर्ग गज -13.60 लाख, 50 वर्ग गज -7.75 लाख

विकसित टाउनशिप में प्लॉट मेंन दिल्ली जयपुर एवं अजमेर हाईवे (N.H-8) पर 1800/- एवं 2500/- प्रति वर्गगज

निम्न आय वर्ग के लिए (EWS) विशेष स्कीम के तहत -199/- प्रति वर्गगज के रेट पर भी प्लॉट दिल्ली अजमेर हाईवे पर उपलब्ध

Pankaj Promoters (Regd.)

रजि0 ऑफिस- 407, अग्रवाल चैम्बर-IV, 27- वीर सावरकर ब्लाक, शकरपुर दिल्ली-92

9310947567,9310047576,8010447567

o|jkt&vkseidk'k f}osnh
¼vk;q/; jkx fo'ks"kK½
ओउम औषधालय (रजि.)
fo'ks"k mipkj % 'kqxj] CyM izs'kj]
eksVkik] cky¨ dk >Mauk] L=h o iq:"k
d¨ jkx iFkjh] ihfy;k] vkfn lEidZ djsa
% lh&563] lkmFk x.ks'k uxj]
fnYyh&110092
Qksu u0 9312881616] 011&32501616

दिल्ली , हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, बिहार , हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश,पंजाब में प्रसारित

इन्डियन न्यूज लाईन सर्विसेस राष्ट्रीय पत्रिका

की विज्ञापन दरें

कलर बैक पेज..75-000
कलर द्वितीय पेज..50-000
कलर अन्दर का पेज 30-000
कलर अन्दर का हाफ पेज.. 20-000
कलर अन्दर का चौथाई 10-000

ब्लैक एंड व्हाईट पेज

फुल पेज...10-000
हाफ पेज 5-000
चौथाई पेज 3-000

तकनीकी विवरण (प्रिन्ट)

फुल पेज 23X17
हाफ पेज.. 11x17

नोट : 1- (सभी भुगतान INS MEDIA या INDIAN NEWSLINE SERVICES के पक्ष मे होगें

(2-) प्रिन्ट मैटर, प्रूफ सहित 3 दिन पहले देनें होंगे

इन्डियन न्यूज लाईन सर्विसेस की सदस्यता

3 वर्ष...........720 (36 अंक)
5 वर्ष..........1100 (60 अंक)
आजीवन सदस्यता......5100

सभी अंक साधारण डाक से भेजे जाएंगे। यदि किसी अपरिहार्य कारणवश पत्रिका प्रकाशित नहीं होती तो सदस्य को प्राप्त अंको से संतुष्ट होना पडेगा। पत्रिका का न्यायिक क्षेत्र दिल्ली होगा।

उम्र बढ़ानी है तो साथी के साथ सोयें

❑ jktho FkEih

हृदय बीमारियों के बाद सैक्सुअल लाइफ पर विशेष फोकस किया जाना चाहिए. शादी के बाद इतर संबंध होना हृदय रोगियों के लिए सुरक्षित नहीं होता है, क्योंकि वे अपनी उम्र से बहुत कम उम्र के साथी के साथ संबंध बनाते हैं जिससे परिस्थियां, जगह, समय को लेकर तनाव रहता है। शादी के इतर संबंध से हार्ट पर खिंचाव होता है जिसकी वजह से पल्सदर बढ़ जाती हैं और इससे हार्ट अटैक हो सकता है। हार्ट केयर फाउंडेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष डॉ. के के अग्रवाल के मुताबिक शादी से इतर संबंधों की वजह से पुरुष वियाग्रा जैसी ड्रग्स का इस्तेमाल करते हैं जो हृदय के लिए हानिकारक साबित हो सकतीं है अगर व्यक्ति में गंभीर किस्म के ब्लॉकेज हों और वह सामान्य सैक्सुअल लाइफ का आनंद ना ले पा रहा हो। इसके लिए रूलऑफ थम्ब है कि अगर व्यक्ति 2 किलोमीटर पैदल चल सकता है या दो तल की मंजिल की सीढ़ियां चढ़ ले तो वह हृदय संबंधी समस्याओं से सुरक्षित होता है और ऐसे शादीशुदा संबंध बना सकते हैं। थक जाने के बाद मानसिक या शारीरिक काम करना आपके स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है। यह खुलासा इंटरनेशनल जर्नल आफ साइकोफिजियोलॉजी में प्रकाशित बर्मिंघम की एलबामा यूनिवर्सिटी के एक अध्ययन में किया गया है। अध्ययन में कहा गया है कि थके हुए लोगों में आराम कर चुके लोगों की तुलना में मेमोराइजेशन टेस्ट के दौरान रक्तचाप कहीं ज्यादा बढ़ा हुआ होता है। जब थके हुए लोग पैसे के लिए या उपलब्धि हासिल करने के चक्कर में काम में जुटे रहते हैं, इससे वे अपनी क्षमता को कम करते हैं। इसका परिणाम यह होता है कि थके हुए व्यक्ति का रक्ताप बढ़ जाता है और यह तब तक बढ़ता जाता है जब तक कि आप काम से मुक्त नहीं हो जाते। इस अध्यन में राइट और उसके साथियों ने 80 स्वयंसेवियों से कहा कि वे एक बढ़िया पुरस्कार जीत सकते हैं अगर दो मिनट के अंदर दो या छह नॉनसेंस ट्राइग्राम्स (बिना मतलब के तीन अक्षरों का क्रमानुसार) को याद रखें। इन्हीं में से जो स्वयंसेवी कम थके हुए थे, उनसे तुलना की गई, जो टू ट्राइग्राम मेमोराइजेषन टास्क करने के दौरान थोड़ा बहुत थके थे, उनका रक्तचाप बढ़ा हुआ पाया गया।

मुफ्त कानूनी सलाह

1. पत्नी सताए या पति सताए।
2. बुजुर्गो को बच्चे भगाएं।
3. पुलिस और बैंकों से परेशान।
4. एक्सीडेंट मुआवजा।
5. बीमा कंपनियों से राहत
6. बाप, भाई के अत्याचार से परेशान

संपर्क करें
The Legal Cover
(NGO), 9278225546

INS MEDIA.ORG
NEWS और VIES का
ONLINE CITIZEN REPORTER
अपनी खबरें हमे भेंजे
Website :-www. insmedia.org
Email- insmedia@ymail.com
Email- insmedia1@gmail.com

मुमताज को दो बार दफनाया गया था

❑ vkbZ,u,l C;jks

विश्व के सात अजूबों में से एक, प्रेम का प्रतीक ताजमहल और आगरा आज एक दूसरे के पर्याय बन चुके हैं. अब ताज भारत का गौरव ही नहीं अपितु दुनिया का गौरव बन चुका है. ताजमहल दुनिया की उन 165 ऐतिहासिक इमारतों में से एक है, जिसे राष्ट्र संघ ने विश्व धरोहर की संज्ञा से विभूषित किया है. इस तरह हम कह सकते हैं कि ताज हमारे देश की एक बेशकीमती धरोहर है, जो सैलानियों और विदेशी पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती है. प्रेम के प्रतीक इस खूबसूरत ताज के गर्भ में मुगल सम्राट शाहजहां की सुंदर प्रेयसी मुमताज महल की यादें सोयी हुई हैं, जिसका निर्माण शाहजहां ने उसकी याद में करवाया था. कहते हैं कि इसके बनाने में कुल बाईस वर्ष लगे थे, लेकिन यह बात बहुत कम लोगों को पता है कि सम्राट शाहजहां की पत्नी मुमताज की न तो आगरा में मौत हुई थी और न ही उसे आगरा में दफनाया गया था. मुमताज महल तो मध्य प्रदेश के एक छोटे जिले बुरहानपुर (पहले खंडवा जिले का एक तहसील था) के जैनाबाद तहसील में मरी थी, जो सूर्य पुत्री ताप्ती नदी के पूर्व में आज भी स्थित है. इतिहासकारों के अनुसार लोधी ने जब 1631 में विद्रोह का झंडा उठाया था तब शाहजहां अपनी पत्नी (जिसे वह अथाह प्रेम करता था) मुमताज महल को लेकर बुरहानपुर चला गया. उन दिनों मुमताज गर्भवती थी. पूरे 24 घंटे तक प्रसव पीड़ा से तड़पते हुए जीवन–मृत्यु से संघर्ष करती रही. सात जून, दिन बुधवार सन 1631 की वह भयानक रात थी, शाहजहां अपने कई ईरानी हकीमों एवं वैद्यों के साथ बैठा दीपक की टिमटिमाती लौ में अपनी पत्नी के चेहरे को देखता रहा. उसी रात मुमताज महल ने एक सुन्दर बच्चे को जन्म दिया, जो अधिक देर तक जिन्दा नहीं रह सका. थोड़ी देर बाद मुमताज ने भी दम तोड़ दिया. दूसरे दिन गुरुवार की शाम उसे वहीँ आहुखाना के बाग में सुपुर्द–ए– खाक कर दिया गया. वह इमारत आज भी उसी जगह जीर्ण–शीर्ण अवस्था में खड़ी मुमताज के दर्द को बयां करती है. इतिहासकारों के मुताबिक मुमताज की मौत के बाद शाहजहां का मन हरम में नहीं रम सका. कुछ दिनों के भीतर ही उसके बाल रुई जैसे सफेद हो गए. वह अर्धविक्षिप्त–सा हो गया. वह सफेद कपड़े पहनने लगा. एक दिन उसने मुमताज की कब्र पर हाथ रखकर कसम खाई कि मुमताज तेरी याद में एक ऐसी इमारत बनवाऊंगा, जिसके बराबर की दुनिया में दूसरी नहीं होगी. बताते हैं कि शाहजहां की इच्छा थी कि ताप्ती नदी के तट पर ही मुमताज कि स्मृति में एक भव्य इमारत बने, जिसकी सानी की दुनिया में दूसरी इमारत न हो. इसके लिए शाहजहां ने ईरान से शिल्पकारों को जैनाबाद बुलवाया. ईरानी शिल्पकारों ने ताप्ती नदी के का निरीक्षण किया तो पाया कि नदी के किनारे की काली मिट्टी में पकड़ नहीं है और आस–पास की जमीन भी दलदली है. दूसरी सबसे बड़ी बाधा ये थी कि तप्ति नदी का प्रवाह तेज होने के कारण जबरदस्त भूमि कटाव था. इसलिए वहां पर इमारत को खड़ा कर पाना संभव नहीं हो सका. उन दिनों भारत की राजधानी आगरा थी. इसलिए शाहजहां ने आगरा में ही पत्नी की याद में इमारत बनवाने का मन बनाया. उन दिनों यमुना के तट पर बड़े –बड़े रईसों कि हवेलियां थीं. जब हवेलियों के मालिकों को शाहजहां कि इच्छा का पता चला तो वे सभी अपनी–अपनी हवेलियां बादशाह को देने की होड़ लगा दी. इतिहास में इस बात का पता चलता है कि सम्राट शाहजहां को राजा जय सिंह की अजमेर वाली हवेली पसंद आ गई. सम्राट ने हवेली चुनने के बाद ईरान, तुर्की, फरांस और इटली से शिल्पकारों को बुलवाया. कहते हैं कि उस समय वेनिस से प्रसिद्ध सुनार व जेरोनियो को बुलवाया गया था. शिराज से उस्ताद ईसा आफंदी भी आए, जिन्होंने ताजमहल कि रूपरेखा तैयार की थी. उसी के अनुरूप कब्र की जगह को तय किया गया. 22 सालों के बाद जब प्रेम का प्रतीक ताजमहल बनकर तैयार हो गया तो उसमें मुमताज महल के शव को पुनः दफनाने की प्रक्रिया शुरू हुई. बुरहानपुर के जैनाबाद से मुमताज

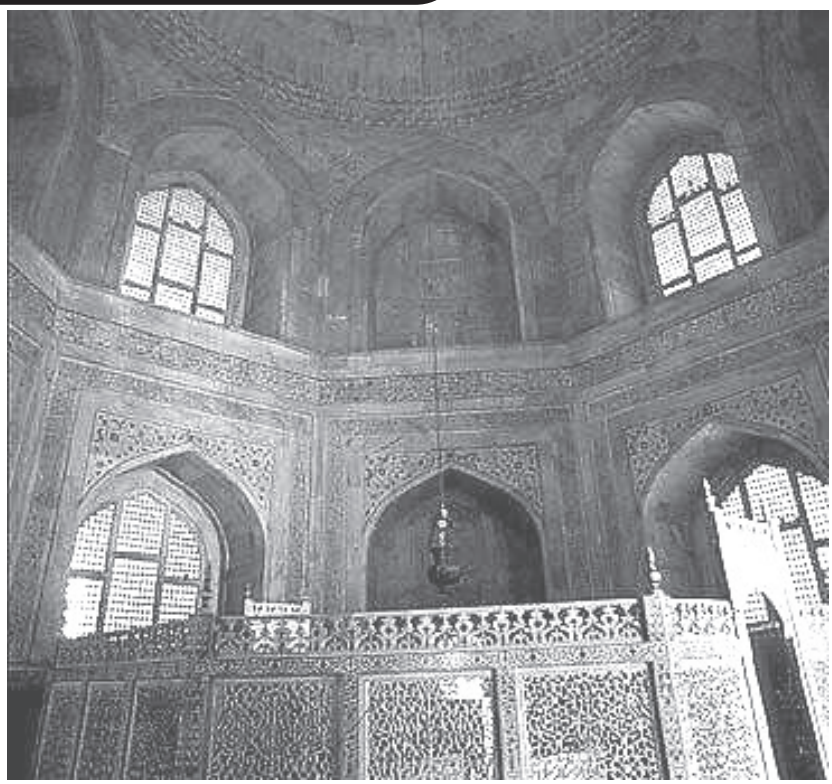

महल के जनाजे को एक विशाल जुलूस के साथ आगरा ले जाया गया और ताजमहल के गर्भगृह में दफना दिया गया. इस विशाल जुलूस पर इतिहासकारों कि टिप्पणी है कि उस विशाल जुलूस पर इतना खर्च हुआ था कि जो किल्योपेट्रा के उस ऐतिहासिक जुलूस की याद दिलाता है जब किल्योपेट्रा अपने देश से एक विशाल समूह के साथ सीजर के पास गई थी. जिसके बारे में इतिहासकारों का कहना है कि उस जुलूस पर उस समय आठ करोड़ रुपये खर्च हुए थे. ताज के निर्माण के दौरान ही शाहजहां के बेटे औरंगजेब ने उन्हें कैद कर के पास के लालकिले में रख दिया, जहां से शाहजहां एक खिड़की से निर्माणाधीन ताजमहल को चोबीस घंटे देखते रहते थे. कहते हैं कि जब तक ताजमहल बनकर तैयार होता. इसी बीच शाहजहां की मौत हो गई. मौत से पहले शाहजहां ने इच्छा जाहिर की थी कि ष्उसकी मौत के बाद उसे यमुना नदी के दूसरे छोर पर काले पत्थर से बनी एक भव्य

इमारत में दफन किया जाए और दोनों इमारतों को एक पुल से जोड़ दिया जाए, लेकिन उसके पुत्र औरंगजेब ने अपने पिता की इच्छा पूरी करने की बजाय, सफेद संगमरमर की उसी भव्य इमारत में उसी जगह दफना दिया, जहां पर उसकी मां यानि मुमताज महल चिर निद्रा में सोईं हुई थी. उसने दोनों प्रेमियों को आस–पास सुलाकर एक इतिहास रच दिया. बुहरानपुर पहले मध्य प्रदेश के खंडवा जिले की एक तहसील हुआ करती थी, जिसे हाल ही में जिला बना दिया गया है. यह जिला दिल्ली–मुंबई रेलमार्ग पर इटारसी–भुसावल के बीच स्थित है।, जिसे दक्षिण का सूबेदार बनाने के बाद शहजादा दानियाल (जो शिकार का काफी शौकीन था) ने इस जगह को अपने पसंद के अनुरूप महल, हौज, बाग–बगीचे के बीच नहरों का निर्माण करवाया था, लेकिन 8 अप्रेल 1605 को मात्र तेईस साल की उम्र मे सूबेदार की मौत हो गई. स्थानीय लोग बताते हैं कि इसी के बाद आहुखाना उजड़ने लगा. स्थानीय वरिष्ठ पत्रकार मनोज यादव कहते हैं कि जहांगीर के शासन काल में सम्राट अकबर के नौ रतनों में से एक अब्दुल रहीम खानखाना ने ईरान से खिरनी एवं अन्य प्रजातियों के पौधे मंगवाकर आहुखाना को पुनः ईरानी बाग के रूप में विकसित करवाया. इस बाग का नाम शाहजहां की पुत्री आलमआरा के नाम पर पड़ा. बादशाहनामा के लेखक अब्दुल हामिद लाहौरी साहब के मुताबिक शाहजहां की प्रेयसी मुमताज महल की जब प्रसव के दौरान मौत हो गई तो उसे यहीं पर स्थाई रूप से दफन कर दिया गया था, जिसके लिए आहुखाने के एक बड़े हौज को बंद करके तल घर बनाया गया और वहीं पर मुमताज के जनाजे को छह माह रखने के बाद शाहजहां का बेटा शहजादा शुजा, सुन्नी बेगम और शाह हाकिम वजीर खान, मुमताज के शव को लेकर बुहरानपुर के इतवारागेट–दिल्ली दरवाजे से होते हुए आगरा ले गए. जहां पर यमुना के तट पर स्थित राजा मान सिंह के पोते राजा जय सिंह के बाग में में बने ताजमहल में सम्राट शाहजहां की प्रेयसी एवं पत्नी मुमताज महल के जनाजे को दोबारा दफना दिया गया.

स्वस्थ–तन, स्वस्थ मन

❑ eg'k feJk] eFkqjk C;wjk

प्राचीन भारतीय योग साधना पद्धति की तरफ पूरे विश्व का रुझान बढ़ना कोई अस्वाभाविक घटना नहीं है। आज से दस वर्ष पूर्व तक अनेक लोग योगसाधना को अत्यंत गोपनीय या असाधारण बात समझते थे। ऐसी धारणा बनी हुई थी कि योग साधना सामान्य व्यक्ति के करने की चीज नहीं है। इसका कारण यह था कि शरीर के लिये विलासिता की वस्तुओं का उपभोग बहुत कम था और लोग शारीरिक श्रम के कारण बीमार कम पड़ते थे।

आज की नयी पीढ़ी के लोगों जहां भी वाहन का स्टैंड देखते हैं वहां पर पैट्रोल चालित वाहनों को अधिक संख्या में देखते हैं जबकि पुरानी पीढ़ी के लोगों के अनुभव इस बारे में अलग दिखाई देते हैं। पहले इन्हीं स्टैंडों पर साइकिलें खड़ी मिलती थीं। सरकारी कार्यालय, बैंक, सिनेमाघर तथा उद्यानों के बाहर साइकिलों की संख्या अधिक दिखती थी। फिर स्कूटरों की संख्या बढ़ी तो अब कारों के काफिले सभी जगह मिलते हैं। पहले जहां रिक्शाओं, बैलगाड़ियों तथा तांगों की वजह से जाम लगा देखकर मन में क्लेश होता था वहीं अब कारें यह काम करने लगी हैं–यह अलग बात है कि गरीब वाहन चालकों को लोग इसके लिये झिड़क देते थे पर अब किसी की हिम्मत नहीं है कार वाले से कुछ कह सके।

योगसाधना की शिक्षा बड़े लोगों का शौक माना जाता था। यह सही भी लगता है क्योंकि परंपरागत वाहनों तथा साइकिल चलाने वालों का दिन भर व्यायाम चलता था। उनकी थकान उनको रात को चौन की नींद का उपहार प्रदान करती थी। उस समय ज्ञानी लोगों का इस तरफ ध्यान नहीं गया कि लोगों को योगासन से अलग प्राणायाम तथा ध्यान की तरफ प्रेरित किया जाये। संभवतः योगासाधना के आठों अंगों में से पृथक पृथक सिखाने का विचार किसी ने नहीं किया। अब जबकि विलासिता पूर्ण जीवन शैली है तब योगसाधना की आवश्यकता तीव्रता से अनुभव की जा रही है तो उसमें आश्चर्य नहीं करना चाहिए। पहले जब लोग पैदल अधिक चलने के साथ ही परिश्रम करते थे इसलिये उनका स्वास्थ्य सदैव अच्छा रहता था। बाद में साइकिल युग के चलते भी लोगों के स्वास्थ्य में शुद्धता बनी रही। फिर योग साधना को केवल राजाओं, ऋषियों और धनिकों के लिये आवश्यक इसलिये भी माना गया क्योंकि वह शारीरिक श्रम कम करते थे जबकि बदलते समय के साथ इसे जनसाधारण में प्रचारित किया जाना चाहिये था। भले ही शारीरिक श्रम से लोगों का लाभ होता रहा है पर प्राणायाम से जो मानसिक लाभ की कल्पना किसी ने नहीं की। श्रमिक तथा गरीब वर्ग के लिये योगासन के साथ प्राणायाम और ध्यान का भी महत्व अलग अलग रूप से प्रचारित किया जाना जरूरी लगता है। यह बताना जरूरी है कि जो लोग शारीरिक श्रम के कारण रात की नींद आराम से लेते हैं उनको भी जीवन का आनंद उठाने के लिये प्राणायाम और ध्यान करना चाहिये।

अब योग साधना के आठ भाग देखकर तो यही लगता है कि उसके आठ अंगों को –यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि–एक पूरा कार्यक्रम मानकर देखा गया। सच तो यह है कि जो लोग परिश्रम करते हैं या सुबह सैर करके आते हैं उनको नियम, प्राणायम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि जैसे अन्य सात अंगों का भी अध्ययन करना चाहिये। योगासन या सुबह की सैर के बाद प्राणायम और ध्यान की आदत डालना श्रेयस्कर है। जो लोग गरीब, मजदूर तथा अन्य शारीरिक श्रम करते हैं उनके लिये भी प्राणायाम के साथ ध्यान बहुत लाभप्रद है। इस बात का प्रचार बहुत पहले ही होना चाहिये था इसलिये अब इस पर भी इस पर काम होना चाहिये।

प्राणायाम से प्राणवायु तीव्र गति से अंदर जाकर शरीर और मन के विकारों को परे करती है। उसी तरह ध्यान भी योगासन और प्राणायाम के बाद प्राप्त शुद्धि को पूरी देह और मन में वितरित करने की एक प्रक्रिया है। जब कभी आप थक जायें और सोने की बजाय आंखें बंद कर केवल बैठें और अपने ध्यान को भृकुटि पर केंद्रित करके देखें।

दिशा–निर्देशों पर ही कार्य करेंगेः आर. पी. मलिक

स्कूल प्रबंधक सबका बॉस

❑ gjh'k lkuh ¼xTt½

दिल्ली। दिल्ली में नर्सरी दाखिले के लिए स्कूल प्रबंधकों ने आखिर अपनी मनमानी करावा ही ली। दिल्ली सरकार की जारी की गई गाइडलाइंस से स्कूल प्रबंधक खुश हैं। वहीं अभिभावकों को इस बात को लेकर संशय है कि सरकारी नियमों का स्कूल कितना पालन करेंगे। स्कूल प्रबंधकों और अभिभावकों ने गाइडलाइंस पर मिलीजुली प्रतिक्रिया दी।

दिल्ली स्कूलों की सबसे बड़ी संस्था फेडरेशन ऑफ पब्लिक स्कूल के अध्यक्ष आरपी मलिक ने कहा कि नर्सरी दाखिले में 20 फीसदी मैनेजमेंट कोटा दिल्ली सरकार सही निर्धारित किया है तथा गरीबों को मुफ्त शिक्षा देने के लिए स्कूल मान्य हैं 75 फीसदी का अधिकार सही है। हम पूरी तरह से दाखिला प्रक्रिया में प्वाइंट सिस्टम का ही पालन करेंगे। इससे राजधानी के अभिभावकों को ही फायदा होगा। दाखिला प्रक्रिया में पूरी तरह से पारदर्शिता बरती जाएगी।

विद्या बाल भवन पब्लिक स्कूल के मैनेजर हरिदत्त शर्मा ने सरकार के निर्णय को स्वागत योग्य बताया है। वहीं स्कूल के प्रिंसिपल सतबीर शर्मा ने कहा की स्कूल अभिभावकों के लिए जरूरी सुविधाऐं उपलब्ध करायेंगे व दिल्ली सरकार के दिशा–निर्देशों पर ही कार्य करेंगे। स्कूलों को दाखिला प्रक्रिया के लिए जिस तरह की स्वतंत्रता दी गई है उससे बच्चों और अभिभावकों को लाभ होगा। उन्होंने कहा कि हम प्वाइंट सिस्टम की मांग कर थे जो पूरी हो गई। अब इसका पालन किया जाएगा।

उपभोक्ता जन अधिकार सोसायटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश द्विवेदी ने कहा कि स्कूल मालिकों ने दिल्ली सरकार को खरीद लिया है और वह नियमों को तोड़ मरोड़ कर अपनी मनमानी करेंगे। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा हुआ तो उनकी सोसायटी सरकार और स्कूल मालिकों के खिलाफ सड़क पर उतरेगी।

> “fo|k cky Hkou ifCyd Ldwy ds eSustj gfjnÙk 'kekZ us ljdkj ds fu.kZ; dks Lokxr ;kX; crk;k gSA ogha Ldwy ds fizafliy lrchj 'kekZ us dgk dh Ldwy vfHkHkkodksa ds fy, t:jh lqfo/kk,sa miyC/k djk;saxsA”

inhi egktu ¼jk"Vªh; vè;{k ½ vfer feJk ¼jk"Vªh; egklfpo½

iz'kklu] usrkvksa] ekfQ;kvksa] vo/kS dk;Z

djus okyks o iqfyl ls

भयमुक्त पत्रकारिता करें

vki i=dkj gSa] viuh i=dkfjrk dks fcuk fdlh ncko ds djsa

gekjk lxBu vkids lkFk gS

अखिल भारतीय पत्रकार मोर्चा

के सदस्य बनें

¼lekt dks nsa ge ,d vkn'kZ] Hk;eqDr okrkoj.k½

irk %& 311@27] ohj lkojdj Cykd] fodkl ekxZ] 'kdjiqj fnYyh&110092

Tel. Fax. : 22013180, 9810310927

लंबे बाल, खूबसूरती की पहचान

❑ vkbZ,u,l C;wjks

ब्यूटी की बात करें, तो इसके कुछ मापदंड होते हैं। और इसी का एक पैमाना है खूबसूरत बाल। आकर्षक, सेहतमंद, लंबे बाल किसी की भी ब्यूटी में चार चांद लगा देते हैं। वैसे, भी अब जब इंडियन ब्यूटी पर ज्यादा फोकस हो रहा है और इंटरनैशनल पर्सनैलिटीज तक इस लुक को कैरी कर रही हैं, तो जाहिर है कि लंबे बालों की अहमियत और भी बढ़ जाती है।

वैसे, बात इंडियन ब्यूटी की हो रही है, तो इसके कुछ अपने पैमाने हैं। दरअसल, हमारे यहां ब्यूटी को कल्चर से जोड़ने की परंपरा है। यही वजह है कि अपनी शादी के दिन हर लड़की बहुत खूबसूरत लगती है। पारंपरिक तरीके से तैयार होने के बाद उसकी सुंदरता का एक नया ही अंदाज सभी को नजर आता है। वैसे, इसी के साथ मोहक मुस्कान व व्यवहार में शालीनता के बिना भी इंडियन ब्यूटी पूरी नहीं होती। अगर किसी महिला के पास खूबसूरत बाल, प्यारी मुस्कराहट और अदब से बात करने का तरीका है, तो बेशक वह खूबसूरती की हर कसौटी पर खरी उतरती है।

यही वजह है कि बचपन से बेटियों की परवरिश पर मां का खासा जोर रहता है कि इनमें से किसी भी चीज में कमी नहीं रहनी चाहिए। जाहिर है, खूबसूरती के एक अहम पैमाने यानी बालों की केयर पर मां अपनी बेटी के बहुत छोटी उम्र की होने से ही ध्यान देने लगती है। गौर करने वाली बात यह है कि बेटी खुद भी अपने बालों को लेकर एक्स्ट्रा कॉन्शस रहती है और उसकी खुद की ख्वाहिश भी सुंदर, लंबे व घने बालों की होती है।

वैसे, लंबे बालों की अहमियत इसलिए भी ज्यादा है, क्योंकि शॉर्ट हेयर कट्स का ट्रेंड से इन–आउट होना चलता रहता है, लेकिन लंबे व खूबसूरत बाल हमेशा आपका यूएसपी रहेंगे। यही नहीं, इनके साथ आप ट्रडिशनल, वेस्टर्न, फ्यूजन – किसी भी तरह की ड्रेस कैरी कर सकती है। ये हर स्टाइल में आपका साथ निभाएंगे। अब जब बालों की इतनी अहमियत है, तो जाहिर है कि इनकी केयर के तमाम नुस्खे भी हैं। दादी मां के खजाने से लेकर मॉडर्न टेक्नॉलजी तक में हेयर केयर की एक बड़ी रेंज मौजूद है। लेकिन ये सभी नुस्खे एक बात जरूर कहते हैं कि बालों की अच्छी सेहत व ग्रोथ के लिए प्रोटीन बहुत जरूरी है। खासतौर पर मिल्क प्रोटीन, जो बालों को लंबाई, मजबूती व चमक देता है। वैसे, यह माना जाता है कि लंबे बालों को मेंटेन करने के लिए इन पर काफी ध्यान व समय देना पड़ता है, जबकि सच यह है कि मिल्क प्रोटीन से बालों को काफी पोषण मिलता है। हेयर एक्सपर्ट्स का मानना है कि अगर ऐसे किसी शैंपू से बाल हफ्ते में तीन बार धोएं जाएं, तो बालों की कई समस्याएं दूर हो जाएंगी और ये खूब घने व लंबे होंगे।

इकरार मोहम्मद भारतीय स्टेट बैंक के गैर सरकारी निदेशक नियुक्त

❑ **विशेष संवाददाता सय्यैद वाजिद अली**

नई दिल्ली। केन्द्रीय वित्तमंत्री श्री प्रणव मुखर्जी द्वारा दिल्ली प्रदेश कांग्रेस सचिव इकरार मोहम्मद को भारतीय स्टेट बैंक का गैर सरकारी निदेशक नियुक्त उपरांत इकरार मोहम्मद के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल श्री प्रणव मुखर्जी से मुलाकात कर उनका शुक्रिया अदा किया।

इन अवसर पर इकरार मोहम्मद ने प्रणव मुखर्जी का आभार व्यक्त करते हुए विश्वास दिलाया कि वह भविष्य में अपने कर्तव्य का निर्वाह व समाज के बेहतर निर्माण हेतु पूर्ण रूप से समर्पित रहेंगे। प्रतिनिधि मंडल में दिल्ली प्रदेश कांग्रेस औद्योगिक प्रकोष्ठ उपाध्यक्ष मोहम्मद इकबाल कुरैशी, बाबर भाई, शेखराह आलम, सिराजुल आदि भी सम्मिलित थे।

खबर पर बेअसर

आज की खबर है ताजा खबर है
सब बेखबर है दुनिया बेखबर है
जो चाहे लूट लो कोई न असर है
दीन दुखी सुखी नहीं सब पर असर है

लुट लिया घर बार भारत सरकार ने
खेल ने कर दिया छोटा आकार में
रुपया पैसा गटक गए खेल के बाहार में
सब कुछ ठीक है छोड़ा कसर है
दीन दुखी सुखी नहीं सब पर असर है

कहीं पर लुट मची कही हाहाकार है
कई के चांदी कटी कई बेकार है
मजा जितना ले लो बेइमान सरकार है
ऑफसर से नेता तक मिली सरकार है
दीन दुखी सुखी नहीं सब पर असर है

दागी के नाम हटे घोटाला हर बार है
हवाला से पैसा पहुंचे यही कारोबार है
धंधा तो दिन रात चले बढ़े साहुकार है
रोटी तो मिल जाए बड़ा उपकार है
दीन दुखी सुखी नहीं सब पर असर है

रूखी सुखी खाकर बड़ा चैन ही था
देखो ये दुनिया वाले दुखी बेचैन था
लेन देन होना ज्यादा और कम था
रफा दफा करके बना ईमानदार था।

❑ वशिष्ठ प्रसाद

CLASSIC SURGICAL PRODUCTS

Manufacture & Supplier of :

ANEESTHESIA EQUIPMENTS, OPTHALMIC/GYNE/ GENERAL SURGICAL CARDIO THORACIS INSTRU- MENTS/HOSPITAL FURNITURE/EQUIPMENTS ETC.

1831/1,. BHAGIRATH PALACE (NEAR NARAIN BAZAR), CHANDNI CHOWK, DELHI-110006 PH.: (O) 23864413.(22533716,)

सचिन तेंदुलकर को क्रिसमस पर गिफ्ट देंगे शेन वार्न

नई दिल्ली। आस्ट्रेलिया के चर्चित लेग स्पिनर शेन वार्न ने घोषणा की है कि इस साल क्रिसमस पर वह क्रिकेट की दुनिया के बेताज बादशाह मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर और उनके परिवार को अपनी कंपनी के अंडरवियर गिफ्ट में देंगे। आजकल ब्रितानी मॉडल और अभिनेत्री एलिजाबेथ हर्ले के साथ अपने संबंधों को लेकर चर्चा में चल रहे वार्न ने कहा कि इस साल क्रिसमस पर सचिन और उनके परिवार को अंडरवियर गिफ्ट देंगे। 'सांता क्लाज' वार्न ने माइक्रो ब्लागिंग वेबसाइट ट्विटर पर लिखा, "थोड़ा हिचकिचाते हुए मैं सचिन और उनके परिवार को स्पिनर ब्रांड के कुछ अंडरवियर भेजने की सोच रहा हूं। मुझे आशा है कि वह इसे पसंद करेंगे। मैं उन्हें यह क्रिसमस के लिये भेज रहा हूं।" कभी अपनी जादुई स्पिन से तेंदुलकर को बोल्ड करने की हसरत रखने वाले वार्न अब रिकार्डो के इस शंहशाह के मुरीद हो गये हैं और अपनी कंपनी स्पिनर के अंडरवियर उन्हें गिफ्ट करने की सोच रहे हैं। यही नहीं वार्न अब अपने स्पिनर ब्रांड के कपड़ों को भारतीय बाजार में भी उतारने जा रहे हैं। वार्न ने कहा, "भारत के मेरे सभी मित्रों के लिये एक बड़ी खबर है। मेरे स्पिनर ब्रांड के बच्चों और पुरूषों के कपड़े भारत आ रहे हैं।" भारत के बाद उनकी योजना इन कपड़ों को ब्रिटेन के बाजार में उतारने की है।

डी सी ईस्ट कार्यालय

सब रजिस्ट्रार सुनील प्रधान की सीबीआई जांच हो

दिल्ली के सबसे भ्रष्ट कार्यों की अगर जांच करनी हो तो पूर्वी दिल्ली उपायुक्त कार्याल के सब–रजिस्ट्रार सुनील प्रधान के कार्यों की जांच की जाए। पिछले अंकों में भी हम इस सब–रजिस्ट्रार सुनील प्रधान के विषय पर लिख चुके हैं परंतु इस कार्यालय में उपर बैठे अधिकारियों का पूरा हाथ है सूत्रो के अनुसार सब–रजिस्ट्रार का कहना है कि वह अपनी अवैध कमाई का हिस्सा डी. सी. घनक्रोता को भी देते हैं वही यह पैसा सी.बी.आई., एन्टी करप्शन ब्यूरो, सीवीसी, एडीएम (रेवेन्यू) को भी बंटता है। सब–रजिस्ट्रार सुनील प्रधान का कहना है कि कोई उनका कुछ भी नहीं बिगाड़ सकता है उनकी शिकायत करने वालों के लिए उनके पास गुंडे बदमाशों की फौज है। सूत्रों के अनुसार उनकी अवैध कमाई की उगाही के लिए मनोज आदि की निजी तौर पर नियुक्ति की हुई है तथा डीड राइटरों के द्वारा दी गई रजिस्ट्री, पावर आटर्नी आदि पर तभी कार्य होता है जब उनका अवैध हिस्सा इस कार्यालय को मिल जाता है सूत्रों की माने तो इस कार्यालय पर जल्दी ही जांच एजेंसियां छापा मारने वाली है। ❑ नन्द लाल संवाददाता

दिल्ली नगर निगम शाहदरा साउथ जोन

अधिशासी अभियंता भवन-I व II लोगों का कफन बेच रहे हैं

ललिता पार्क हादसे के बाद दिल्ली नगर निगम शाहदरा दक्षिणी भवन विभाग के अधिशासी अभियंता भवन-I व II की तो जैसे अपने-अपने क्षेत्रों में लाटरी लग गयी हो। ये दोनों इस हादसे के बाद मरे हुये लोगों का कफन बेच रहे हैं गौरतलब है कि नोटिस और सीलिंग के नाम पर आम आदमियों को परेशान किया जा रहा है उनकी बिल्डिंगे तोड़ी जा रही है या सील की जा रही है परंतु वहीं बिल्डर माफिया की बिल्डिंगों पर कोई कार्यवाही नहीं कि जा रही है अधिशासी अभियंता भवन-I व II अपने जूनियर इंजीनियरों के द्वारा जिस लेंटर पर 50 हजार रूपये की अवैध उगाही हो रही थी अब वह बढ़कर 2 से 5 लाख हो गयी है। क्यों उपायुक्त आर. एस. मीना दूध के धुले हुये बैठे हैं जो यह फर्जी वाडा हो रहा है उसको अनदेखा कर रहे हैं। अधिशासी अभियंता भवन-I व II के कार्याकलापों की सीबीआई जांच होनी चाहिए व तत्काल इनके उपर कार्यावाही होनी चाहिए। ❑ नन्द लाल संवाददाता

'फिरोज' की राह में 'फरदीन'

कभी फिल्मी जगत में फिरोज खान बहुचर्चित नाम हुआ करता था। फिरोज खान के जीवन में कई ख्वाब अधूरे रह गये, लेकिन वह भले न हों स्वप्न साकार करने वाले तो हैं। अभिनेता फरदीन खान आजकल अपने स्वर्गीय पिता फिरोज खान का वो सपना पूरा करने में जुटे हुए हैं जोकि उनके जीवनकाल में पूरा नहीं हा पाया। फिरोज खान की चाहत थी कि वह अपनी सर्वाधिक हिट फिल्म 'कुर्बानी' का रीमेक बनाएं। इसके लिए उन्होंने प्रयास भी किये लेकिन वह रंग नहीं ला पाए। वर्ष 1980 की इस हिट फिल्म का रीमेक बनाने के लिए अब फरदीन दिन रात एक किए हुए हैं। वह कहते हैं कि मेरे पिता की अंतिम इच्छा 'कुर्बानी' का रीमेक बनाने की थी और अब उनके निधन के बाद यह परियोजना मेरे दिल के काफी करीब है। मैं इसमें यथासंभव श्रेष्ठ प्रयास करना चाहता हूं क्योंकि यह हिंदी फिल्म के इतिहास का हिस्सा है। कुर्बानी का निर्माण और निर्देशन फिरोज खान ने किया था। इसमें फिरोज के अलावा विनोद खन्ना और जीनत अमान भी थे। इस फिल्म ने बॉक्स आफिस पर रिकार्डतोड़ सफलता हासिल की थी। इसके गाने नये तरह के थे जिन्होंने आज तक धूम मचा रखी थी। फरदीन ने इस रीमेक के बारे में कहा कि मैं रीमेक में काफी समय देना चाहता हूं। अगर मैं इसे बेहतर नहीं बना सकता तो कम से कम मैं इसकी बराबरी करना चाहूंगा। रीमेक में फरदीन के अलावा इशिता शर्मा, सुष्मिता सेन और शाहरुख खान भी अहम किरदारों में होंगे।

फरदीन अपनी बेजोड़ स्टाइल और पशुओं से प्यार के लिए जाने जाते हैं। उनकी एक नई फिल्म निर्माण कंपनी खोलने और निर्देशन में हाथ आजमाने की भी तैयारी है। पैंतीस वर्षीय अभिनेता फरदीन का नाम कुछ समय पहले मादक पदार्थ का सेवन करने वालों में भी जुड़ा था अभी भी वह इस मामले से पूरी तरह बरी नहीं हुए हैं।

फरदीन के पिता ने उन्हें बड़ा अभिनेता बनाने के कई प्रयास किये लेकिन फरदीन अच्छे अभिनय और लुक के बावजूद सोलो अभिनेता के तौर पर नहीं चल पाए। उनकी अब तक प्रदर्शित फिल्मों में ज्यादातर मल्टी स्टारर रही हैं। इनमें कई सफल भी रहीं लेकिन इसका श्रेय पूरी तरह फरदीन के हिस्से नहीं आया। फरदीन की पहली फिल्म 'प्रेम अगन' थी जिसका निर्माण और निर्देशन उनके पिता ने किया था। इस फिल्म में उन्होंने हर वो मसाला डाला था जोकि किसी फिल्म को सफल कराने के लिए जरूरी था इसके बावजूद फिल्म चल नहीं सकी। हालांकि इस फिल्म के जरिए फरदीन सर्वश्रेष्ठ नवोदित अभिनेता का फिल्मफेयर पुरस्कार पाने में सफल रहे। फरदीन के लुक का जादू पहली ही फिल्म से चल गया था और लड़कियां तो मानो उनकी दीवानी हो गईं। इसके बाद उन्होंनेधड़ाधड़ कई फिल्में साइन कर लीं जोकि एक के बाद एक फ्लॉप होती चली गईं।

फरदीन का काम फिल्म 'ओम जय जगदीश' और 'खुशी' में काफी सराहा गया। यह दोनों फिल्में औसत सफल रहीं। 'ओम जय जगदीश' मल्टी स्टारर फिल्म थी जिसका निर्देशन अनुपम खेर ने किया था। खुशी में फरदीन और करीना कपूर की जोड़ी को सबने सराहा। इस फिल्म का संगीत भी काफी सफल रहा था। राम गोपाल वर्मा की फिल्म 'भूत' के अलावा 'देव' फिल्म ने अभिनेता के तौर पर स्थापित होने में फरदीन की काफी मदद की। इसके बाद आई बोनी कपूर की फिल्म 'नो एंट्री' ने तो फरदीन की लाइफ ही बना दी। यह फिल्म सुपरहिट रही। इस फिल्म में फरदीन अनिल कपूर और सलमान खान के साथ थे।

सुष्मिता कभी हार नहीं मानती

सुष्मिता सेन निर्देशक बनने की अपनी हसरत को पूरा करने के प्रयास में एक बार फिर जुट गई हैं। खबर है कि पूर्व विश्व सुंदरी आजकल बड़े–बड़े प्रोडक्शन हाउस के चक्कर लगा रही हैं और प्रोडक्शन कंपनियों को अपनी महत्वाकांक्षी फिल्म रानी लक्ष्मीबाई में पैसा लगाने के लिए मना रही हैं।

गौरतलब है कि सुष्मिता सेन पिछले कुछ वर्षो से रानी लक्ष्मीबाई फिल्म बनाने का प्रयास कर रही हैं। पिछले साल उनकी इस फिल्म की शूटिंग शुरू होनी थी लेकिन आर्थिक मंदी के चलते फिल्म अटक गई। वैसे कोशिशें रंग लाती हैं। क्या पता अगले साल सुष्मिता का निर्देशक बनने का सपना पूरा हो जाए।

लाखों पाठकों की पसंद

दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हिमाचल में प्रसारित

मूल्य : 20/- रूपए

निर्भिक व जुझारू पत्रकारिता का प्रतीक

संपादक-प्रदीप महाजन

INS

इंडियन न्यूज़लाईन सर्विसेस

वर्ष : 3 अंक : 11

दिसम्बर 2010

RNI NO. DELHIN/2008/23334

लाखों पाठको की पसंद

दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हिमाचल में प्रसारित

मूल्य : 20/- रूपए

निर्भिक व जुझारू पत्रकारिता का प्रतीक

संपादक-प्रदीप महाजन

INS

इंडियन न्यूज़लाईन सर्विसेस

वर्ष : 3 अंक : 11

दिसम्बर 2010

RNI NO. DELHIN/2008/23334